वर्ष : 18 अंक: 57 ग्वालियर ● मंगलवार 01 अप्रैल 2025 ● पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

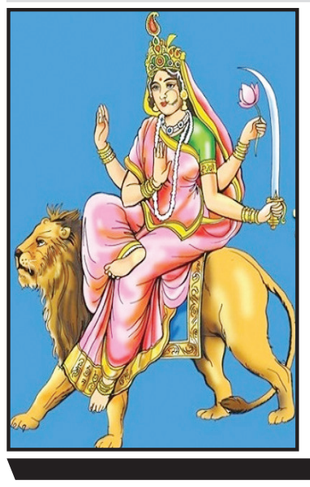

दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित

चम्बल सुरभी

उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान

अधिकतम 34 डिग्री

न्यूनतम 16 डिग्री

संक्षिप्त समाचार

उदयपुर : पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास पूजा के समय आग लगने से झुलसीं, अहमदाबाद रेफर

उदयपुर ,एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डॉ गिरिजा व्यास सोमवार सुबह पूजा के दौरान साडी में आग लगने से गंभीर झुलस गई। उन्हें इलाज के लिए अहमदाबाद ले जाया गया है। डॉ गिरिजा व्यास के भाई पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा गोपजी ने बताया कि गिरिजा जी सुबह करीब साढे दस बजे नवरात्रि की पूजा कर रही थी तब अचानक दीपक की लौ से उनकी साडी में आग में आग लग गई। सिल्क की साडी होने से अचानक आग भभक कर उपरी हिस्से तक पहुंच गई जिससे वे गंभीर झुलस गई। उन्हें तत्काल जीबीएच अमेरिकन अस्पताल पहुंचाया तथा प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें दोपहर करीब ढाई बजे परिजन अहमदाबाद ले गए हैं। गोपजी के अनुसार गिरिजा जी की हालत ठीक है और वे सभी से बात भी कर रही है।

धीरेंद्र शास्त्री बोलेः एक आंटी ने शादी का प्रस्ताव दिया

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक न्यूज चैनल पर अपनी शादी की योजनाओं पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वे शादी करेंगे। उन्हें

ऐसा जीवनसाथी चाहिए जो उन्हें और उनके परिवार को समझ सके। शास्त्री ने कहा कि उन्हें वाइफ नहीं, अर्धांगिनी चाहिए। उन्होंने शादी के कुछ प्रपोजल के किस्से भी साझा किए। इस दौरान बताया कि 40-42 साल की एक महिला ने तो अपने पति को तलाक देकर उनसे शादी का प्रस्ताव रखा था।

पूजा-व्रत रखने का हवाला देते हुए शादी की मांग की

एक और चौंकाने वाली घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एक महिला भक्त ने तीन साल से पूजा और व्रत रखने का हवाला देते हुए शादी की मांग की। जब उनकी बात नहीं मानी गई तो उसने नस काट ली। महिला ने बारात की तारीख मांगी और डेट न मिलने पर यह कदम उठाया। उन्होंने कहा, हम डर गए, बड़ी मुश्किल से मामला छूटा।

देशभर में मना ईद का जश्न

मोदी ने बधाई दी, वक्फ बिल के विरोध में नमाजियों ने काली पट्टी बांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। देशभर में आज ईद-उल-फितर (मीठी ईद) त्योहार मनाया जा रहा है। मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा करने का समय अलग-अलग है। लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह में महिलाएं भी नमाज अदा कर सकेंगी। इसके लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ईद की बधाई दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा- ईद का त्योहार हमारे समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। आपके सभी प्रयासों में खुशी और सफलता मिले। ईद मुबारक!

वाराणसी की जामा मस्जिद में एक साथ बड़ी संख्या में नमाजी पहुंच गए। इसके चलते सभी लोगों को मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए जगह नहीं मिली। इसके बाद कुछ लोगों ने सीढ़ियों पर ईद की नमाज अदा की।

देश में कई जगह नमाज अदा करने के लिए लोग वक्फ बिल के विरोध में काली पट्टियां बांधकर पहुंचे। तमिलनाडु के त्रिची में बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर नमाज अदा की। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ईद के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पटना के गांधी मैदान पहुंचे। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने दिल्ली की संसद मार्ग स्थित मस्जिद में नमाज अदा की।

उत्तराखंड में कई जगहों के नाम बदलेः

हरिद्वार का औरंगजेबपुर अब शिवाजीनगर से जाना जाएगा

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड में धामी सरकार ने नवरात्रों में बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के चार जिलों हरिद्वार,देहरादून उधम सिंह नगर और नैनीताल में कई स्थानों के नाम बदले गए हैं। शासन की ओर से इसके आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। जिसके तहत हरिद्वार जिले में 10 गांवों और स्थानों के नामों में परिवर्तन किया गया है।जबकि देहरादून जिले के चार जगहों के नाम बदले गए हैं। नैनीताल जिले के दो स्थानों के नाम में बदलाव किया गया है। उधम सिंह नगर जिले के एक जगह का नाम बदल गया है।

शासन से जारी आदेश

शासन की ओर से जो नाम बदले गए हैं उनमें औरंगजेब, गाजीवाली, मोहम्मदपुर, अकबरपुर, मियांवाला, अब्दुलपुर, खानपुर, नवाबी रोड जैसे कई नाम शामिल थे। इन नाम को परिवर्तित कर सरकार ने प्रदेश और देश के महापुरुषों के नाम पर स्थानों के नाम रखे हैं। जिससे भारतीय संस्कृति और विरासत की परंपरा बनी

रहे।

सीएम बोले-भारतीय संस्कृति के अनुरूप रखे गए नाम

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न स्थानों के नाम में परिवर्तन जन भावना और भारतीय संस्कृति और विरासत के अनुरूप किया जा रहा है। जिससे लोग भारतीय संस्कृति और इसके संरक्षण में योगदान देने वाले महापुरुषों से प्रेरणा ले सके। जो नाम बदले गए हैं वह देश के बड़े महापुरुषों के नाम पर हैं।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का उद्घाटन 19 को

कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का भी इनॉगरेशन

श्रीनगर,एजेंसी। कटरा-श्रीनगर रूट पर ट्रेन का ट्रायल 25 जनवरी को किया गया था, जो सफल रहा था। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे कश्मीर के अंतिम स्टेशन श्रीनगर पहुंची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जम्मू से चलना शुरू करेगी। जम्मू से श्रीनगर की दूरी करीब 250 किमी है। 25 जनवरी को कटरा-श्रीनगर रूट का सफल ट्रायल हुआ था। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे श्रीनगर पहुंची। ट्रेन ने 160 किमी का सफर 3 घंटे में पूरा किया था।

'मैं पुतिन से नाराज हूं' ट्रंप ने रूस पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की दी धमकी

वाशिंगटन ,एजेंसी। राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से नाराज हैं। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने पर सहयोग नहीं देते हैं तो वे रूसी तेल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप ने कहा कि जब पुतिन ने जेलेंस्की की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना शुरू किया तो मैं बहुत नाराज हुआ, क्योंकि यह सही दिशा में नहीं हो रहा था। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि रूस यूक्रेन में नया नेतृत्व चाहता है। मगर नए नेतृत्व का मतलब यह है कि आप लंबे समय तक कोई समझौता नहीं कर पाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने धमकी दी है कि समझौता नहीं होने पर रूस पर द्वितीयक टैरिफ लगाई जा सकती है। ट्रंप ने कहा कि अगर रूस और मैं यूक्रेन में रक्तपात रोकने के लिए कोई समझौता करने में असमर्थ हैं। अगर मुझे लगता है कि यह रूस की गलती

की वजह से हुआ है तो मैं रूस से आने वाले सभी तेल पर द्वितीयक टैरिफ लगाऊंगा। जब उनसे पूछा गया कि अगर रूस ने सही काम किया तो क्या आप पुतिन से बात करेंगे? ट्रंप ने हां में जवाब दिया। ट्रंप ने बताया कि पुतिन को पता कि मैं नाराज हूं। 25 फीसदी टैरिफ का एलान किसी भी वक्त हो सकता है। मैं इस हफ्ते पुतिन से बात करने की योजना बना रहा हूं।

पुतिन ने गुरुवार को सुझाव दिया कि संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में यूक्रेन में एक नया अस्थायी प्रशासन पेश किया जाना चाहिए। हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने तुरंत रूस के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। रूसी अधिकारी बार-बार जेलेंस्की की वैधता पर सवाल उठाते रहे हैं। रूस का कहना है कि जेलेंस्की का कार्यकाल खत्म हो चुका है। अभी तक कोई चुनाव नहीं कराया गया है।

बता दें कुछ दिन पहले ट्रंप ने वेनेजुएला से तल और गैस खरीदने वाले देशों पर अमेरिकी आयात पर 25 फीसदी टैरिफ का एलान किया था। अब रूस से तेल खरीदने वाले देशों के साथ भी ऐसा ही एक्शन लेने की तैयारी है। अगर ट्रंप ने रूसी तेल पर टैरिफ की घोषणा की तो सबसे अधिक भारत और चीन के हितों को झटका लग सकता है। भारत मौजूदा समय में रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है।

बिहार की जनता विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव का स्थान तय करेगी : ललन सिंह

पटना ,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के बाद तेजस्वी यादव ही हैं। पटना में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान जदयू नेता ललन सिंह ने कहा कि वे सत्यवादी हरिश्चंद्र हैं। वे अपनी पीठ खुद थपथपाते रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जो भी कहा, वह सच कहा है। वैसे, उन्हें (तेजस्वी यादव) चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। वह अपना काम करें। बिहार की जनता अगले चुनाव में तय कर देगी कि उनका स्थान कहां है। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में पटना में हुई एनडीए की बैठक पर

उन्होंने कहा कि तय हुआ कि एनडीए मजबूती से चुनाव लड़ेगा। एनडीए के सारे घटक दल पूरी एकजुटता से चुनाव लड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार में दो दिन गुजारने के बाद रविवार को वापस लौट गए। उन्होंने गोपालगंज में एक जनसभा को संबोधित किया, जबकि पटना में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने एनडीए के घटक दलों की बैठक में भी शिरकत की थी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा था कि केंद्रीय मंत्री ने केवल झूठ बोलने का काम किया है। उन्होंने कहा था, जब चुनाव आते हैं तो बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं। चुनाव के बाद वह जुमला हो जाता है। अगर इतना पैसा केंद्र सरकार ने दिया, तो बताओ, कहां दिया? किस सेक्टर में दिया है? जब चुनाव आता है तो केवल घोषणा करते हैं, लेकिन 20 साल में उन्होंने क्या काम किया, उसकी गिनती उन्होंने नहीं बताई है।

अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में लगी आगःइटारसी के पास सवा घंटे खड़ी रही ट्रेन

नर्मदापुरम,एजेंसी। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में इटारसी के पास चलती ट्रेन की बोगी में आग लग गई। ये घटना सोमवार दोपहर करीब 4 बजे इटारसी और बानापुरा के बीच में खुटवासा रेलवे स्टेशन के पास की बताई जा रही है। घटना अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में हुई है। अहमदाबाद से चलकर बरौनी जाने वाली ये ट्रेन दोपहर करीब 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी स्टेशन निकलने के बाद खंबा नंबर 724/12 के पास ट्रेन गार्ड ने धुआं निकलते देखा। जिसके बाद ट्रेन को अचानक रोका गया। ट्रेन के रुकने और आग की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग लगने के बाद

ट्रेन करीब सवा घंटे तक खड़ी रखी। बाद में आग वाले कोच को अलग कर ट्रेन को रवाना कर दिया गया। आग बुझाने की कोशिशें जारी है। आग लगने की इस घटना के कारण खंडवा से इटारसी आने वाला रेलवे डाउन ट्रैक पर यातायात बंद हो गया। जिसे शाम 6 बजे शुरू कर दिया गया है।

जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लगी

ट्रेन के सबसे आखिरी में जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लगी। यह बोगी स्टील के बर्तन के कार्टूनों से भरी थी। इस कारण आग के साथ काफी धुआं उठने लगा। जिसके बाद जनरेटर कोच में काम करने वाले कर्मचारी भी तुरंत बाहर निकले। सूचना के बाद दमकल को बुलाया गया। डोलरिया थाना पुलिस और आरपीएफ इटारसी से बल मौके पर पहुंचा।

यात्रियों में मचा हड़कंप, ट्रेन से नीचे उतरे

ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन के रुकते ही यात्री नीचे उतर गए। ट्रेन में सवार राज नाम के यात्री के मुताबिक आग लगने की ये घटना दोपहर 4 बजकर 10 मिनट की है।

गुजराती संस्कृति में समरसता का अद्भुत भाव : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल 'सदाकाल गुजरात' कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल,ब्यूरो। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने गुजराती में कहा कि गुजराती संस्कृति में समरसता का अद्भुत भाव है। गुजरातियों में मेलजोल और आपसी भाईचारे का व्यवहार होता है। राज्यपाल श्री पटेल रवीन्द्र भवन में अखिल भारतीय गुजराती समाज के कार्यक्रम 'सदाकाल गुजरात' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल और गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि ÷जहां बसे गुजराती, वहां बसे सदाकाल गुजरात÷ कहावत को गुजरातियों ने हमेशा चरितार्थ किया है। मध्यप्रदेश की संस्कृति में भी गुजराती समाज रच, बस गया है। गुजराती समाज का मध्यप्रदेश के विकास में विशेष योगदान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत को बनाने में मध्यप्रदेश की जनता के साथ गुजराती समाज लगातार सहयोग और सहभागिता कर रहा है। राज्यपाल श्री पटेल ने केंद्र और राज्य सरकार के सामाजिक सहभागिता पर आधारित कार्यक्रमों को सफल बनाने में अखिल भारतीय गुजराती समाज संस्था के सहयोग और सक्रियता की सराहना की।

गुजरात देश का ग्रोथ इंजन : मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल ने गुजराती में कहा कि गुजराती संस्कृति गर्व का प्रतीक है। आजादी के आन्दोलन में देश को गुजरात ने ही महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल के रूप में मजबूत नेतृत्व दिया है। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित और विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने गुजरात राज्य की भौगोलिक चुनौतियों को अवसरों में बदल कर गुजरात को देश का ग्रोथ इंजन बनाने वाले प्रधानमंत्री श्री मोदी की कार्यकुशलता, नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री पटेल ने मध्यप्रदेश के गुजराती समाज को प्रदेश के विकास में हमेशा योगदान देने और ÷एक भारत-श्रेष्ठ भारत÷ निर्माण में बढ़-चढकर भाग लेने का आव्हान किया।

गुजरात पर ईश्वर की विशेष कृपा : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि गुजरात राज्य पर ईश्वर की विशेष कृपा और आशीर्वाद है। आजादी से लेकर देश के विकास और अर्थव्यवस्था में आज गुजरात का अहम योगदान है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है।

गुजरात-मध्यप्रदेश की रीति-नीति-संस्कृति एक जैसी- गृह राज्य मंत्री श्री संघवी

गुजरात राज्य के गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने गुजराती में कहा कि गुजरात और मध्यप्रदेश का इतिहास, भूगोल और संस्कृति एक समान है। दोनों राज्य के लोगों का व्यवहार, रीति-नीति और संस्कृति एक जैसी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में रहने वाला प्रत्येक गुजराती, गुजरात की संस्कृति का ब्रांड एम्बेसडर है। श्री संघवी ने कहा कि वर्तमान और भावी पीढ़ी को गुजरात दर्शन जरूर कराए।

कोरोना काल में गुजराती समाज ने की मानवता की सराहनीय सेवा : सांसद श्री शर्मा

खजुराहो सांसद श्री वी. डी. शर्मा ने कहा कि कोरोना काल में प्रदेश के गुजराती समाज ने पीड़ित मानवता की सराहनीय सेवा की है। अनेक अवसरों पर भी गुजराती समाज द्वारा मानव सेवा के उत्कृष्ट और अनुकरणीय उदाहरण मिलते हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में गुजराती समाज की सक्रिय भागीदारी कर रहा है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दीप प्रज्ज्वलन कर, कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उनका गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल और अखिल भारतीय गुजराती समाज के अध्यक्ष श्री संजय पटेल ने स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में गुजरात के विकास पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

कैल्शियम और आपका दिल, क्या है रिश्ता, जाने यहाँ

मुंबई के 55 साल के राजेश के सीने में दर्द की शिकायत हुई पहले उन्हें लगा कि उनके पेट में गैस हुआ है, दवाई ली, लेकिन आराम नहीं. इसके बाद उन्होंनेडॉक्टर की सलाह ली, डॉक्टर ने अस्पताल जाने की सलाह दी, क्योंकि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था. जांच से पता चला कि उनके हार्ट की धमनियों में खून का बहाव सही तरह से नहीं हो पा रहा है और उनके हार्ट में कई ब्लॉकेज है, गहन जांच के बाद जानकारी मिली कि उनके दिल की धमनियों में कैल्शियम की डिपोजिट हुआ है. उनका एंजियोप्लास्टी किया गया, जिसका खर्चा 3 लाख रुपये से कुछ अधिक था, हालांकि कंपनी से उनके नाम का इंश्योरेंस था,इसलिए उन्हें पैसे की कोई समस्या नहीं हुई. इसके बाद से उन्हें कोई शिकायत नहीं है, केवल कुछ दवाइयों के सेवन के साथ वे एक अच्छी जिंदगी पिछले 5 साल से गुजार रहे है. इसके अलावा कुछ लोग आजकल व्हाट्सएप और टीवी पर आये विज्ञापनों से भी प्रभावित होकर डॉक्टर की बिना सलाह लिए दवाइयां लेने लगते है, उन्हें लगता है कि विटामिन की कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं होती, जबकि विटामिन्स भी जरुरत के आधार पर ही लिया जाना चाहिए.चालीस साल की उमा भी टीवी पर एक प्रोग्राम देखने के बाद कैल्शियम सप्लीमेंट्स लेना शुरू कर दिया था, लेकिन उन्होंने उसे लेना बंद कर दिया, क्योंकि उनकी दोस्त ने उन्हें एक व्हाट्सअप मेसेज भेजा कि कैल्शियम सप्लीमेंट्स लेने से दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है. इस डर को दूर करते हुए डॉक्टर ने सुझाव दिया कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से रक्त में कैल्शियम की मात्रा का सीधा संबंध हृदय रोग से है

या नहीं, इस बात का अभी तक शोध नहीं हो पाया है, लेकिन किसी भी दवाई को जरुरत के अनुसार ही लेने से स्वास्थ्य ठीक रहता है और इसके लिए जांच जरुरी है.

क्या कहती है कि रिसर्च

इस बारें में मुंबई की कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिल की कंसलटेंट, कार्डियोलॉजी, डॉ प्रवीण कहाले कहते है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए एक दिन में 400 से 500 मिलीग्राम कैल्शियम लेने की सिफारिश की है, जबकि अन्य गाइडलाइन्स में 50 और उससे अधिक उम्र के वयस्कों के लिए हर दिन 700-1200 मिलीग्राम कैल्शियम के पर्याप्त सेवन की सलाह दी गयी है. महिला को मैंने सलाह दी थी कि डॉक्टर द्वारा निर्धारित कैल्शियम सप्लीमेंट लेना हमेशा बेहतर होता है.

इसके अलावा कुछ एहतियात ऐसे व्यक्ति को लेने की जरुरत होती है. रोज़ के आहार से कैल्शियम पाने की कोशिश करनी चाहिए, मसलन व्यायाम करना, विटामिन के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां खाना, धूप में टहलना, ताकि पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी मिल सकें और हड्डियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए सप्लीमेंट्स लेन आदि है.

अतिरिक्त कैल्शियम का क्या है, स्वास्थ्य पर असर ?

इसके आगे डॉक्टर कहते है कि कैल्शियम एक आवश्यक मिनरल है, जो स्वस्थ हड्डियों और दांतों के निर्माण और रख-रखाव, मांसपेशियों के कार्य और नर्व ट्रांसमिशन सहित कई शारीरिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन यही कैल्शियम अगर बहुत ज़्यादा हो जाएं, तो हृदय सहित हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है. रक्तप्रवाह में कैल्शियम बहुत ज़्यादा हो जाने से वह धमनियों में जमा हो सकता है और उसके टुकड़े बन सकते हैं, जिससे धमनियां तंग और कठिन बन सकती हैं, इससे धमनियों से रक्त के बहने में बाधाएं पैदा हो सकती हैं, और हृदय में रक्त का प्रवाह कम हो सकता है. हृदय

रोग और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं की जोखिम बढ़ सकती है और गंभीर मामलों में सीने में दर्द, सांस की तकलीफ और यहां तक कि दिल का दौरा भी पड़ सकता है.

क्या है कैल्शियम डिपाजिट

हृदय में कैल्शियम जमा होना वृद्ध वयस्कों में, खास कर 60 वर्ष से ज़्यादा आयु के लोगों में अधिक होता है. परिवार में पहले किसी को हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह है या धूम्रपान की आदत है, तो हृदय में कैल्शियम जमा होने से होने वाला खतरा और भी ज़्यादा बढ़ जाता है. हृदय में

कैल्शियम जमा होने का संबंध हृदय रोग के पारिवारिक इतिहास के साथ-साथ हेरेडिटरी फैक्टर के साथ भी जोड़ा जा सकता है.

दही चेहरे से दाग-धब्बे, झुर्रियां करे दूर

सुबह आंख खुलते ही और रात को सोने से पहले हमारी नजर अपनी त्वचा पर ही जाती है। फिर भी हम त्वचा को सबसे ज्यादा नजरअंदाज करते हैं। हमें इसकी देखभाल की भी ज्यादा जरूरत होती है। हमारी त्वचा का प्रभावी गुण है। आखिर खूबसूरती है क्या! कुदरत की देन या आंखों की कल्पना शायद दोनों का अपना नजरिया है, पर यह नजरिया तब और निखर जाएगा जब आप थोडी सूझबूझ से इसकी देखभाल करेंगी। तो गोरी निखरी त्वचा आसानी से मिल सकती है।

- यदि आपकी त्वचा रूखी है तो आप आधा कप दही में एक छोटा चम्मच जैतून का तेल तथा एक छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाकर गुनगुने पानी से चेहरा धोने से त्वचा का रूखापन खत्म हो जाता है।
- त्वचा को तरोताजा बनाने के लिए आप नींबू का रस दही में मिलाकर चेहरे पर लगाएं और फिर कुछ दिनों में ही आप चेहरे पर बदलाव पाएंगे।
- चेहरे के साथ-साथ दही के इस्तेमाल से नाखून और बालों को भी लाभ पहुंचता है। यदि सप्ताह में दो बार दही बालों में लगाया जाए तो रूखे-बेजान बालों की चमक वापिस आ जाती है।
- मुंहासे की समस्या को दूर करने के लिए चेहरे पर खट्टे दही का लेप लगाए और सोखने पर धो लें। कुछ दिन तक लगातार ऐसा ही करें, निश्चय ही मुंहासे दूर करने में लाभ होगा।
- दही ऐसा प्राकृतिक सौंदर्य साधन है जो न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है बल्कि हमारे सौंदर्य के लिए भी फायदेमंद है।
- दमकती त्वचा पाने और चेहरे से दाग-धब्बे, झुर्रियां इत्यादि दूर करने के लिए आप दही के साथ चोकोर या बेसन मिलाकर चेहरे पर लगा सकते है।

दही में गाजर, ककडी, पपीता आदि मौसमी फलों का रस मिलाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा में निखार आएगा। इतना ही नहीं आप कुछ मौसमी सब्जियों के रस में दही को मिलाकर लगाएंगे तो भी लाभ मिलेगा।

स्टेप बाई स्टेप ऐसे करें अपने बच्चे की मालिश

बच्चे के पैदा होते ही उनकी मालिश की जाती है ताकि उनकी हड्डियां व मांसपेशियां मजबूत रहें। मालिश बच्चे के शरीर को एक सही आकार लेने में मदद करती है। मालिश अपने प्यार व स्नेह को व्यक्त करने का एक अच्छा तरीका है। मां द्वारा की गई मालिश माँ और बच्चे के बीच एक गहरा रिश्ता कायम करने में मदद करती है। इसके अलावा, मालिश आपके बच्चे के वजन को बढाने में, रक्त परिसंचरण को व बच्चे के पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करती है। मालिश के बाद आपका बच्चा चैन की नींद सो पाता है। मालिश केवल बच्चे की ही नहीं बल्कि आपकी भी थकन को दूर कर देगी। मालिश आपके बच्चे को मानसिक व शारीरिक रुप से विकसित होने में मदद करती है। एक अध्ययन के अनुसार मालिश नवजात शिशुओं को पीलिया से लड़ने में मदद करती है। मालिश से बच्चों में चिड़चिड़ापन कम होता है।

मालिश करने के लिए एक सही समय निर्धारित करें। दूध पिलाने के बाद बच्चे की मालिश ना करें क्योंकि उसे उल्टी हो सकती है। नींद के दौरान की गई मालिश का आनंद बच्चे ले नहीं पाते हैं। अगर मालिश के दौरान आपका बच्चा रोने लगे तो समझ लें कि वह मालिश से थक गया है। वहीं उसकी मुस्कान उसके आनंद का प्रतीक होगी। आगे इस लेख में बच्चों के अलग-अलग अंगों की मालिश के तरीके दिए गए हैं।

बच्चे को आपके करीब लाती है: मालिश को हमेशा हलके हाथों से करें ताकि आपका बच्चा उसका पूरा मज़ा ले सके। मालिश के लिए फर्श पर एक तौलिया बिछाएं तथा किसी वनस्पति तेल से बच्चे के शरीर की मालिश करें। अगर मालिश के दौरान आपका बच्चा रोने लगे तो उसे गले से लगाकर चुप कराएं। कभी भी बच्चे की मालिश दूध पीने के बाद व सोते वक़्त ना करें। यह 6 महीने से कम उम्र वाले बच्चों की हड्डियों व मांसपेशियों को मजबूत बनाने का एक अच्छा तरीका है।

टांगें: बच्चे की थकान को दूर करने के लिए मालिश की शुरुआत पैरों से करें। इसके लिए अपने हाथों पर तेल को मलें तथा जांघों को मलते हुए नीचे पैरों तक आएं। एक पैर की मालिश के बाद दूसरे पैर की मालिश भी इसी तरह करें।

पैर: पैरों की मालिश को आरंभ करने से पहले बच्चे के पैरों को दोनों दिशाओं में घुमाएं। फिर मालिश को टखने से शुरु करते हुए ऊपर उंगलियों तक लेकर जाएं। इस प्रक्रिया को दोनों पैरों पर दौहराएं।

एड़ी: अपने अंगूठे से बच्चे की छोटी-छोटी एड़ियों की मालिश करें। मालिश के दौरान आपका अंगूठा चक्राकार में घुमना चाहिए।

पैरों की उंगलियां: बच्चे की पैरों की उंगलियों को अपने हाथों की उंगलियों के बीच में लेकर हल्के से ऊपर की ओर खींचे। इस तरह हर एक उंगली की मालिश करें।

भुजाएं: भुजाओं की मालिश भी टांगों की तरह की करें। हाथों पर तेल लगाकर भुजाओं को मलते हुए नीचे कलाई तक आएं। फिर उसकी कलाई को धीरे से दोनों दिशाओं में घुमाएं।

हाथ: बच्चे के हाथ को अपने हाथों में लें व हलके हाथों से उसकी हथेली की मालिश करें। इस प्रक्रिया को दूसरे हाथ पर भी दौहराएं।

हाथ की उंगलियां: हाथ की उंगलियों को अपने हाथों की उंगलियों के बीच में लेकर हल्के से ऊपर की ओर खींचे। इस मालिश की शुरुआत हाथ की कानी उंगली से आरंभ करके अगूंठे पर खत्म करें। दूसरे हाथ की उंगलियों की मालिश भी इसी तरह करें।

पुस्तक विक्रेता अपना दिल बड़ा रखकर आगामी मेले में और अधिक छूट प्रदान करें : संभाग आयुक्त श्री खत्री

दस दिवसीय पुस्तक मेले का हुआ समापन

पुस्तक मेले में लगभग 18 हजार अभिभावकों व बच्चों ने लगभग 2.63 करोड़ की खरीददारी की

कलेक्टर श्रीमती चौहान व जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक कुमार भी समापन दिवस पर मेले पहुँचे

ग्वालियर । पिछले दस दिनों से मेला स्थित शिल्प बाजार परिसर में आयोजित हो रहे पुस्तक मेले का सोमवार की देर शाम समापन हुआ। पुस्तक मेले की आखिरी शाम संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री भी पहुँचे और पुस्तक मेले का जायजा लिया। उन्होंने पुस्तक विक्रेताओं एवं ग्वालियर डिवीजन चिल्ड्रन बुक सेलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों से कहा कि वे अपना दिल बड़ा रखें और अगले मेले में अभिभावकों को अधिक से अधिक डिस्काउंट प्रदान करें। संभाग आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप इस साल जिला प्रशासन द्वारा पुस्तक मेले का जो सिलसिला शुरू किया गया है वह आगे भी जारी रहना चाहिए। श्री खत्री ने पुस्तक मेले में जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिये जिला प्रशासन द्वारा स्थापित किए गए बुक बैंक की भी सराहना की। दस दिवसीय पुस्तक मेला सार्थक सिद्ध हुआ है। मेले में लगभग 18 हजार अभिभावकों व उनके बच्चों ने पुस्तकें, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म की खरीददारी की। पुस्तक मेले में लगभग 2 करोड़ 63 लाख रूपए की पाठ्य सामग्री व स्कूल ड्रेस इत्यादि की बिक्री हुई है। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव जैन, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार, पुस्तक मेला आयोजन से जुड़े अन्य संबंधित अधिकारी एवं ग्वालियर डिवीजन चिल्ड्रन एसोसिएशन के पदाधिकारी व पुस्तक विक्रेता मौजूद थे।

मेले के समापन के मौके पर बुक सेलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने संभाग आयुक्त सहित सभी अधिकारियों का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किए। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा पुस्तक मेले में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के लिये आभार जताया। ज्ञात हो कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर शिल्प बाजार में गत 22 मार्च को पुस्तक मेला शुरू हुआ था। पहले मेले की अवधि 29 मार्च तक निर्धारित थी। अभिभावकों की मांग पर मेले की अवधि 31 मार्च तक बढ़ा दी गई थी।

विक्रेता बोले पुस्तक मेले की तरह बाजार की दुकानों पर भी छूट देंगे

ग्वालियर डिवीजन चिल्ड्रन बुक सेलर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री धनराज सेवानी व सचिव श्री अनूप सिंघल सहित बुक सेलर एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों ने पुस्तक मेला के समापन अवसर पर कहा कि मेले में जिन दुकानदारों ने अपनी दुकानें लगाई हैं वे सभी बाजार में भी अपनी-अपनी दुकानों पर पुस्तक मेले की तरह ही डिस्काउंट उपलब्ध करायेंगे। पुस्तक मेले में छूट संबंधी जो बैनर लगाया है उसे बाजार की दुकानों पर भी लगायेंगे।

आमजन के लिए सिविल हॉस्पीटल हजीरा में सीटी स्कैन की सुविधा राम नवमी के बाद से प्रारम्भ हो जाएगी : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया सिविल अस्पताल हजीरा का निरीक्षण

ग्वालियर । ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल हजीरा की व्यवस्थाओं और साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने उपचाररत रोगियों से स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा वृद्ध महिला रोगीयों के पैर दबाकर आशीर्वाद लिया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कैलाशवासी श्री देवेन्द्र सिंह तोमर की स्मृति में सीटी स्कैन की सुविधाओं की ट्रायल पदस्थ चिकित्सकों के माध्यम से हुई और आज तीन मरीजों ने सीटी स्कैन सुविधाओ का लाभ लिया, जिनमें मस्तीष्क, कंधे और घुटने की समस्याओं के मरीज शामिल थे। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जल्द ही आम जन के लिए सीटी स्कैन की सुविधाओं का लाभ रामनवमी के बाद से आम जन सिविल हॉस्पीटल हजीरा में ले सकेंगे। इसके साथ ही ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने आज सिविल हॉस्पीटल के चिकित्सको के साथ बैठक भी की। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बैठक में कहा कि सिविल अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती मरीजों को सभी चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाये और हजीरा सिविल हॉस्पीटल में किचिन व्यवस्था को लेकर जो असुविधा है उसको तत्काल दुरस्त किया जाये

ढोला गांव में मधुमक्खियों के हमले से 10 लोग घायल, दो की हालत गंभीर, जंगल में गए थे लकड़ी लेने

छिन्दवाड़ा। ढोला गांव के जंगल में रविवार को अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। हमले में कुल दस लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को उपचार के लिए परासिया ले जाया गया, जहां से दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस घटना के बाद इलाके के ग्रामीणों में डर का माहौल है। लोग जंगल में जाने से कतरा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मधुमक्खियां आमतौर पर तभी हमला करती हैं जब उन्हें खतरा महसूस होता है। जंगल में किसी पेड़ को काटने या मधुमक्खियों के छत्ते के आसपास हलचल करने पर वे आक्रामक हो सकती हैं।

जानकारी के अनुसार, ढोला गांव में स्थित एक मंदिर में रविवार को हवन का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के लिए कुछ ग्रामीण लकड़ियां एकत्रित करने के लिए जंगल गए थे। जैसे ही वे जंगल में पहुंचे और लकड़ी काटने लगे। तभी अचानक पास के पेड़ों पर मौजूद मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया।

मधुमक्खियों के हमले के बाद जंगल में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण दर्द से कराहने लगे और मदद के लिए चिल्लाने लगे। वहां मौजूद कुछ अन्य ग्रामीणों ने किसी तरह भागकर खुद को बचाया और घायल लोगों को गांव तक पहुंचाया। इसके बाद सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने घायलों को परासिया के अस्पताल पहुंचाया, जहां से दो लोगों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।मधुमक्खियों के हमले में घायल होने वालों में मनोज कहार, माखन, रिंगलाल, सुरेश, सुनील, मनोज मरकाम, पवन राय, निखिल, पप्पू साहू समेत कुल 10 लोग शामिल हैं।

देश को मिला पहला तरन्नुम नवाज़ जूनियर वर्ग से अंशिका रजोतिया, सीनियर वर्ग से विपुल रोहिला बने विजेता

» युवा प्रतिभा प्रोत्साहन मंच

छिन्दवाड़ा । मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित अखिल भारतीय ग़ज़ल गायन प्रतियोगिता तरन्नुम नवाज़ का फाइनल स्थानीय खजरी रोड स्थित होटल में सम्पन्न हुआ। आयोजित प्रतियोगिता में देशभर से टॉप 10 चयनित प्रतिभाओं ने अपनी प्रस्तुति दी।

प्रतियोगिता में विशेष मेहमान एवं निर्णायक के रूप में विश्व प्रसिद्ध ग़ज़ल गायक चंदन दास एवं विविध भारती के उद्घोषक यूनुस खान उपस्थित रहे। आयोजन के प्रथम सत्र में चयनित प्रतिभाओं ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को अचंभित कर दिया। दूसरा सत्र

ग़ज़ल ओ गुफ़्तगू का रहा जिसमें यूनुस खान एवं चंदन दास के बीच दिलचस्प बातचीत का सुनने वालों बेहद लुत्फ़ उठाया। तीसरे सत्र में प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में संगीत कला प्रेमीजन उपस्थित रहे। ये रहे विजेता - जूनियर वर्ग से अंशिका रजोतिया, छतरपुर (प्रथम स्थान तरन्नुम नवाज़ अवार्ड विनर) कौशनी बैनर्जी, कोलकाता (द्वितीय स्थान), अर्चिता आर्या, गोरखपुर (तृतीय स्थान), सावी तेलंग, नागपुर (सांत्वना पुरस्कार), अकमल फ़राज़, जबलपुर (सांत्वना पुरस्कार)

सीनियर वर्ग से विपुल रूहेला, हरिद्वार (प्रथम स्थान तरन्नुम नवाज़ अवार्ड विनर), अद्वैत रॉय, सिकंदराबाद (द्वितीय स्थान), मोनिका भोयर, नागपुर (तृतीय स्थान), प्रन्या सक्सेना, मुम्बई (सांत्वना पुरस्कार) उपस्थित रहे।

श्रीराम नवमीं से लेकर हनुमान जन्मोत्सव तक होंगे विविध आयोजन श्री रूद्रात्मक हनुमान मंदिर में होंगे कार्यक्रम

छिन्दवाड़ा। रूद्र परिवार सेवा समिति के द्वारा श्री रूद्रात्मक हनुमान मंदिर कोश्टीपुरा, पुराना छापाखाना में रामनवमीं से लेकर हनुमान जन्मोत्सव तक विविध आयोजन किये जायेंगे। जिसके तहत चैत्र शुक्ल नवमी 6 अप्रैल से कार्यक्रम की शुरूआत होगी जो चैत्र शुक्ल पूर्णिमा 12 अप्रैल तक कार्यक्रम चलेंगें। संस्था के संस्थापक रितेश रत्नाकर पांडे एवं विशेश सहयोगी जितेन्द्र सोलंकी ने बताया कि मंदिर में पूरे वर्श प्रत्येक शनिवार को रात्रि 8 बजे से 9 बजे तक रूद्रयोग साधना (ध्यान, हनुमान चालिसा पाठ एवं महाआरती) का कार्यक्रम होता है। इसी तरह प्रत्येक सोमवार को श्री पशुपति नाथ मंदिर तारा कॉलोनी में रात्रि 8 बजे से 9 बजे तक ध्यान एवं महाआरती होती है। कार्यक्रमों की कड़ी में श्री हनुमान जन्म आनन्दोत्सव के कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें 6 अप्रैल से लेकर 12 अप्रैल तक प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक रूद्रयोग साधना, रूद्रअभिशेक व हनुमान चालिसा पाठ व आरती का कार्यक्रम होगा। दोपहर में 2 बजे से 5 बजे तक विभिन्न महिला रामायण मंडलों द्वारा भजन की प्रस्तुति दी जावेगी। रविवार 6 अप्रैल को दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव का आयोजन होगा। शुक्रवार 11 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से 108 जोड़ो की निशुल्क श्री सत्यनारायण कथा पंडित अजय रत्नाकर पांडे द्वारा की जायेगी। 12 अप्रैल दिन शनिवार को श्री रूद्रात्मक हनुमान मंदिर में प्रकटोत्सव मनाया जायेगा। जिसमें ब्रम्हमुहुर्त प्रातः 4 बजे से 6 बजे तक श्री हनुमान जी का प्रकटोत्सव मनाया जायेगा। प्रातः 6 बजे जन्म आरती व रूद्राभिशेक होगा, प्रातः 8:30 बजे से हवन पूजन, प्रातः 11 बजे महाआरती, दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक महाप्रसाद भंडारा आयोजन होगा। सायं 7 बजे से 9 बजे तक संगीतमय सुन्दरकांड एवं भजय संध्या का कार्यक्रम रखा गया है। उल्लेखनीय है कि रूद्र परिवार द्वारा 31 जुलाई 2023 को निशुल्क 13 करोड़ राम नाम जाप का आयोजन किया गया था। उक्त कार्यक्रम में लगभग 80 से 90 हजार लोगों ने भाग लिया था। वहीं अप्रैल 2019 में 2100 जोडें निशुल्क सत्यनारायण कथा में शामिल हुये थे। आयोजन समिति ने 6 अप्रैल से लेकर 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले उक्त आयोजन में जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। 11 अप्रैल को आयोजित 108 जोड़ो की निशुल्क श्री सत्यनारायण कथा के लिए इच्छुक श्रद्धालु आयोजन समिति से सम्पर्क कर सकते है।

मंदिर से दान पेटी व नगदी चोरी करने वाले आरोपियो को पुलिस ने धर दबोचा संपत्ति बरामद कर भेजा जेल

छिन्दवाड़ा। पुलिस अधीक्षक छिदंवाडा अजय पाण्डेय एवं अति. पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधो के संबंध में विशेष दिशा निर्देश दिये गये हैं, इसी क्रम दिनांक 07.02.2025 को फरियादी रुपेश पिता आशीष कुमार भूषण उम्र 40 साल निवासी ग्राम झुर्रे (रावनवाड़ा) ने रिपोर्ट दर्ज किया कि प्रतिदिन की तरह पत्नी के साथ मंदिर की साफ सफाई व पूजा करने मंदिर में आकर देखने पर हनुमान मंदिर के मेनगेट का ताला टूटा पड़ा था, दानपेटी मंदिर में नही थी व हनुमान मंदिर के पीछे दुर्गा माता मंदिर जाकर देखने पर वहां का भी ताला टूटा हुआ था व कांच की दानपेटी में चिल्हर पैसे नही थे, दिनांक 06.02.2025 की दरम्यान रात को कोई अज्ञात व्यक्तियो ने

हनुमान मंदिर की दानपेटी व दुर्गा मंदिर की दानपेटी में रखे पैसो को चोरी कर ले गया, रिपोर्ट पर अप. क्र. 34/25 धारा 305(ए), 341(4) बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

विवेचना के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जितेन्द्र जाट के नेतृत्व में थाना प्रभारी रावनवाड़ा ईश्वरी पटले द्वारा पुलिस टीम का गठन किया गया, घटना स्थल के आसपास के सीसीटीव्ही कैमरो को बारीकी से खंगाला गया, मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आरोपीगण अंशुलबन उर्फ अंशुल पिता शंकर धुर्वे उम्र 18 साल निवासी आनंद नगर छिन्दवाड़ा एवं उसका साथी विधि विरुद्ध बालक को दबिश / घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया, आरोपीगणो से घटना के संबंध में बारिकी से पूछताछ करने पर घटना (चोरी) करना स्वीकार किये, आरोपीगणों से चोरी हुई संपत्ति नगदी रकम 11,800 रुपए (ग्यारह हजार आठ सौ रुपये) बरामद किया गया । आरोपियो को माननीय न्यायालय पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया । पुलिस टीम थाना प्रभारी रावनवाड़ा निरीक्षक ईश्वरी पटले, सउनि बालकृष्ण तिवारी, राजेश नामदेव की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

सांसद बंटी विवेक साहू ने विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए दी 23 लाख 50 हजार की सांसद निधि छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले में होंगे कई कार्य

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले में विभिन्न विकास कार्यो के लिए 23 लाख 50 हजार की सांसद निधि स्वीकृत कर दी है। इस राशि से दोनों जिलों में कई कार्य कराये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि विगत कई वर्षो से लोगों द्वारा विकास कार्यो की मांग की जा रही थी। छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा दौरे के दौरान कई लोगों ने सांसद श्री साहू से मुलाकात करते हुए उनके क्षेत्रों में कई निर्माण कार्यो के लिए उनकी सांसद निधि स्वीकृत करने की मांग की थी। इसके आधार पर सांसद श्री साहू ने पूर्व विधायक रमेश दुबे, विधानसभा प्रभारी लखन वर्मा, मंडल अध्यक्ष विजेन्द्र ठाकुर की अनुशंसा पर एवं ग्राम पंचायत पांजरा सरपंच श्रीमती प्रमिला डेहरिया की मांग पर पांजरा में मोक्षधाम के सामने सौन्दर्यीकरण के लिए 1 लाख, सारना मंडल अध्यक्ष ओम पटेल की अनुशंसा पर सारना वार्ड नंबर 17 में चबुतरा निर्माण के लिए 50 हजार, मंडल अध्यक्ष सौरभ ठाकुर की अनुशंसा एवं वार्ड नंबर 10 की पार्षद श्रीमती संगीता सुरेश उईके की मांग पर सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 5 लाख, मंडल अध्यक्ष उमरहर रमाकांत पटेल की अनुशंसा पर उमरहर रंगमंच निर्माण के लिए 1 लाख 50 हजार एवं शौचालय निर्माण के लिए 50 हजार, पांढुर्णा भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड़ एवं मंडल अध्यक्ष रजत गोरे की अनुशंसा एवं ग्राम पंचायत सिवनी की सरपंच श्रीमती सीमा सरेयाम, उपसरपंच प्रकाश धारपुरे की मांग पर नेशनल हाइवे से लेकर शिशु मंदिर तक 200 मीटर सड़क निर्माण के लिए 6 लाख, सारना मंडल अध्यक्ष ओम पटेल की अनुशंसा पर सारना में चबूतरा निर्माण के लिए 50 हजार, मंडल अध्यक्ष रमाकांत पटेल की अनुशंसा एवं ग्राम पंचायत सांख सरपंच शिवनारायण पाटस्कर की मांग पर रंगमंच निर्माण के लिए 1 लाख 50 हजार, तामिया जनपद अध्यक्ष श्रीमती तुलसा परतेती व मंडल अध्यक्ष दयाराम इरपाची की अनुशंसा पर देलाखारी के गोंडी मोहल्ला व आश्रम कॉलोनी में रंगमंच निर्माण के लिए 1-1 लाख एवं पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री नाना मोहोड़ व मंडल अध्यक्ष पिपलानारायणवार सदानंद डोंगरे की अनुशंसा पर मेहराखापा में 200 मीटर सड़क निर्माण व चेकर के लिए 5 लाख की राशि स्वीकृत की है। उक्त राशि स्वीकृत किये जाने पर समस्त जनप्रतिनिधियों एवं आमजनों ने सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

तक्षशिला इलेवन ने टाइम स्पोर्ट्स बड़कुई क्लब् को 6 विकेट से हराया वही बालाजी वारियर्स ने केसरी क्लब् को 7 विकेट से हराया

» सांसद कप क्रिकेट प्रतियोगिता

छिंदवाड़ा। विवेक बंटी साहू की प्रेरणा से इंदिरा गांधी क्रिकेट मैदान में सांसद कप क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को 2 मैच खेले गए। टूर्नामेंट के सचिव संदीप मालवीय ने बताया कि गत दिनों दूसरा मैच तक्षशिला इलेवन छिंदवाड़ा व टाइम स्पोर्ट्स बड़कुई के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टाइम स्पोर्ट्स बड़कुई ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 139 रन बनाएं जिसमे 35 रन यश ठाकुर व 24 रन रेहान खान ने बनाये। 140 रनों के लक्ष्य को तक्षशिला इलेवन क्लब् ने 17.3 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

तक्षशिला इलेवन क्लब् के बल्लेबाज अतुल बिंझाड़े ने 73 व आशु पांडे ने 33 रन बनाये। टाइम स्पोर्ट्स बड़कुई क्लब् के गेंदबाज राहुल यदुवंशी ने 4 विकेट लिए। मैच 6 विकेट से तक्षशिला इलेवन क्लब् ने जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। सोमवार 31 मार्च को पहला मैच बालाजी वारियर्स छिंदवाड़ा व केसरी क्लब् छिंदवाड़ा

के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केसरी क्लब् छिंदवाड़ा ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 115 रन बनाएं जिसमे 32 रन जितेंद्र तिवारी व 19 रन तनय शर्मा ने बनाये। बालाजी वारियर्स के गेंदबाज परीक्षित त्रिपाठी ने 3 विकेट लिए। 116 रनों के लक्ष्य को बालाजी वारियर्स क्लब् ने 11.5 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। बालाजी वारियर्स क्लब के बल्लेबाज अमोल बेन्डे ने 39 व दर्शित बोरगावकर ने नाबाद 37 रन बनाये। मैच 7 विकेट से बालाजी वारियर्स क्लब ने जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। मैच के मुख्य अतिथि दारा जुनेजा, सभापति चन्द्रभान देवरे, शैलेश सिन्हा, संजय पैठने उपस्थित रहे।

मैच में अंपायर मनीष बंदेवार, रजत कडु व ऐश्वर्य चौरसिया व अंकित राजपूत रहे, स्कोरर संतोष कहार व शुभम खेलवाड़ी कमेंट्रेटर श्रांत चंदेल व ऋषभ मलिक रहे। रविवार को मैच के मुख्य अतिथि प्रशांत पाण्डे, चंद्रकांत सोनी,डॉ. दुर्गेश भरत रहे। टूर्नामेंट में आयोजन समिति के अध्यक्ष विक्रम अहके, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक वर्मा, उपाध्यक्ष बबलू विश्वकर्मा, सचिव संदीप मालवीय, भाजपा खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष अंकित सोलंकी, अंकित राजपूत, भीष्म चौहान, अम्बर सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

आज के मैच

मंगलवार 1 अप्रैल का पहला मैच दोपहर 3 बजे से सर्कुलर बॉयज क्लब् छिंदवाड़ा व तश्वी कंस्ट्रक्शन परासिया के मध्य खेला जाएगा। दूसरा मैच शाम 6.00 बजे से स्पार्टन क्लब् छिंदवाड़ा व फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब् छिंदवाड़ा के मध्य खेला जाएगा।

जिले की सभी शालाओं में मनाया जायेगा आज प्रवेश उत्सव

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत आज से 04 अप्रैल तक दिवसवार जिले की सभी शालाओं में विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

छिन्दवाड़ा। स्कूल चलें हम अभियान 2025 के अंतर्गत 01 से 04 अप्रैल 2025 तक जिले की सभी शालाओं में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसके अंतर्गत दिवसवार आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा के अनुसार 01 अप्रैल 2025 को प्रवेशोत्सव एवं एफएलएन मेला का आयोजन किया जायेगा, जिसमें शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के लिये उन्हें सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जायेगा। शाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं को शिक्षकों के द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया जायेगा । अतिथियों के द्वारा निशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जायेगा। ग्राम बसाहट की शाला से बाहर चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा 1 से 8 तक की सभी शालाओं में 01 अप्रैल 2025 को एफएलएन मेला एवं बालसभा का आयोजन किया जायेगा एवं सभी शालाओं में विशेष भोज का आयोजन किया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम 02 अप्रैल 2025 को छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू की अध्यक्षता में शासकीय हाईस्कूल सागरपेशा में आयोजित किया जायेगा। इसी तरह 02 अप्रैल 2025 को ÷भविष्य से भेंट÷ कार्यक्रम में जिले के 164 जिला स्तरीय एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों को कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा 02 अप्रैल 2025 को शाला में पहुंचकर एक कालखण्ड बच्चों के साथ संवाद करने के लिये आदेशित किया गया है एवं अधिकारियों द्वारा स्वेच्छा से उपहार वितरण किया जायेगा। जनप्रतिनिधियों, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा एवं स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियों को हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों और पुलिस अधिकारी, वरिष्ठ शासकीय अधिकारियों आदि को शाला में आमंत्रित कर बच्चों को आने वाले भविष्य के लिये प्रेरणा दी जायेगी। 03 अप्रैल 2025 को विद्यालय स्तरीय सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधिः सभी शालाओं में 03 अप्रैल 2025 को विद्यालय स्तरीय सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियां आयोजित की जायेगी। विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं एवं शासकीय योजनाओं के बारे में विद्यालय स्टॉफ द्वारा पालकों को अवगत कराया जायेगा। विगत अकादमिक वर्ष में 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के पालकों को विशेष रूप से आमंत्रित कर उनका सम्मान किया जायेगा।

इसी प्रकार 04 अप्रैल 2025 को हार के आगे जीत है, ध्येय के माध्यम से वर्ष 2025 की परीक्षा में कक्षोन्ती प्राप्त न करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय में पुनः प्रवेश के लिये अभिभावकों को आमंत्रित किया जायेगा। शाला प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन किया जायेगा। बैठक में नवीन अकादमिक सत्र में अनामांकित बच्चों का विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन एवं बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिये समिति सदस्यों के साथ चर्चा की जाएगी एवं कार्ययोजना बनाई जायेगी। स्कूल चलें हम अभियान 2025 के अंतर्गत इस कार्य को सुनिश्चित कराने के लिये सभी शालाओं के प्राचार्य, प्रधानपाठकों, संस्था प्रमुखों को बीईओ, बीआरसी के माध्यम से अवगत कराया गया है।

संपादकीय

किसानों की बात सुने

शंभ और खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटा कर पुलिस ने तेरह महीनों से अवरोधित अमृतसर-अंबाला-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग खुलवा दिया। सीमा पर लगे सीमेंट के ब्लॉक, लोहे की कीलें, कंटीले तारों से लगाए गए ये अवरोधक हटाने में कड़ी मशक्कत की गई। किसानों के टेंट भी हटा दिए गए। पंजाब में अभी भी एक हजार से ज्यादा किसान हिरासत में हैं। सौ से ज्यादा प्रदर्शनकारी किसानों पर केस दर्ज कर उन्हें पटियाला जेल भेजा गया। सरकार की कार्रवाई से नाराज किसानों का पुलिस से टकराव भी हुआ। हालांकि पंजाब सरकार ने किसान नेताओं को बैठक के लिए बुलाया है। ता रहे हैं, बॉर्डर बंद होने का सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा था। तेरह महीनों में कारोबारियों को दस हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का अंदाजा है। पिछले काफी समय से व्यापारी और उद्योगपति सरकार पर बॉर्डर खोलने का दबाव बना रहे थे। लुधियाना पश्चिम सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भी राज्य सरकार पर दबाव था। यहां तमाम औद्योगिक इकाइयों में ताला पड़ा है और धंधा पूरी तरह ठप है। स्थानीय लोगों की आवाजाही पर तो असर है ही, बॉर्डर अवरोधकों के कारण लोगों को लंबी दूरी घूम कर संकरे रास्तों का इस्तेमाल करना पड़ रहा था जिससे आसपास के इलाकों का यातायात प्रभावित हो रहा था। ट्रांसपोर्टरों ने सीमा खुलने पर राहत की सांस ली है क्योंकि किराया बढ़ाने के बावजूद लागत निकालने में उन्हें खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। नाराज किसान इस कार्रवाई को केंद्र की मिलीभगत से हुई कार्रवाई बताते हुए इसे विश्वासघात कह रहे हैं। राज्य में बंदी के चलते सरकार को हर बार नब्बे करोड़ से अधिक के राजस्व से भी हाथ धोना पड़ा। बावजूद इसके तकरीबन चार सौ दिनों तक सीमा पर बसे प्रदर्शनकारी किसानों ने अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को लेकर ढाई किमी. तक अस्थाई व्यवस्था कर ली थी जिसमें रिहाइश से लेकर दफ्तर, शौचालय, स्टोर, रसोई और लंगर स्थल सब चल रहे थे। बहरहाल, अभी उनकी कोई रणनीति सामने नहीं आई है परंतु उनका रोष और हताशा समझी जा सकती है। वे कह रहे हैं कि उनका आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है। सरकार को ऐसा कड़ा कदम उठाने से पहले उन्हें चेतावनी जरूर देनी चाहिए थी। विरोध या प्रदर्शन करना जनता का अधिकार है। सरकार का दायित्व है, बगैर जोर-जबरदस्ती के किसानों की बात सुने और कोई दरम्याना रास्ता निकाले।

राकेश शुक्ला सम्पूर्ण व्यक्तित्व

पीढ़ी दर पीढ़ी संघर्ष से हासिल की सफलता

सुरेश शर्मा "बीरमपुर"

जन्मदिन पर बिशेष

भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और चंबल अंचल के श्रेष्ठ ब्राह्मण नेता जो सभी बर्ग और सम्प्रदाय के चहेते होकर मोहन सरकार में मंत्री श्री राकेश शुक्ला जी के पिता श्रद्धेय श्री शिवकुमार शुक्ला जी जो मीसाबंदी रहे, भारतीय जनता पार्टी जिला भिंड के अध्यक्ष रहे और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिला ग्वालियर में संघचालक रहे इसके आलावा वह उच्च न्यायालय ग्वालियर के ख्यातिप्राप्त अभिभाषक रहते हुए राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य रहे 13/03/1997 को आप ब्रह्मलोक गमन करगये !

जननेता राकेश शुक्ला के तीन भाई हैं इन चारों भाइयों में राम लक्ष्मण भरत शत्रुघन जैसा स्नेह है इनके भ्राता दिनेश रमेश और राजेश अपने अपने कार्यक्षेत्र में जनसेवा में लगे हैं श्री राजेश शुक्ला राज्यअधिवक्ता परिषद के सदस्य हैं और कुछ समय पूर्व तक अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद को सुसोभित करते रहे आप उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर के सम्माननीय अभिभाषक हैं इनके साथ ही इनके अनुज श्री दिनेश शुक्ला न्यायकार्य में रत हैं श्री रमेश शुक्ला राजकीय सेवा में समर्पित हैं ! श्री राकेश शुक्ला जी को पिताजी के देवलोक गमन के बाद पार्टी ने 1998 में मेहगांव बिधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाये और आपने विजयश्री को वरण किया इनका कार्यकाल जनता को अत्यंत भाया क्योंकि यह एक आम आदमी की तरह लोगों के बीच उनके सुख दुख में सहभागी रहे हँसमुख और मिलनसार स्वभाव के कारण यह लोगों के दिलों पर राज करने लगे !

पुन- इसी बिधानसभा क्षेत्र से 2008 में बिधायक चुने गए इस कार्यकाल में मंत्रीमंडल बिस्तार के समय मंत्रीमंडल के लिए इनका प्रभावी तरीके से नाम चला सभी प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया इसबात की साक्षी रही किंतु क्षेत्र के एक और ब्राह्मण नेता जो सूची से बाहर थे किंतु राजनैतिक जोड़ तोड़ से सूची में आने में सफल रहे और इनकी सहजता और कूटनीतिक राजनीती से इनके परे होने के कारण उस समय मंत्री बनने से बंचित रहना पड़ा ! इस कार्यकाल में इन्होने कई सड़क एवं कई पुल अपने व्यक्तिगत प्रयासों से क्षेत्र के लिए स्वीकृत कराये जो क्षेत्र के सर्बागीन बिकाश के कारक बने साथ ही आपने प्रदेश भर के लोगों की राजनैतिक और प्रशासनिक मदद कर लोकप्रियता अर्जित की इस दौरान मुझे इनके निज सचिव के रूप में कार्य करने का सुअबसर प्राप्त हुआ इस दौरान आपका संत स्वभाव रहा क्षण भर की स्वस्थ गुस्सा इनकी नाक पर रहती थी होठों पर मुस्कान और मन में पवित्रता कार्य के प्रति उत्साह और लोगों की मदद में सदैव तत्परता इनके स्वभाव में समाहित रही ! 2023 में तीसरी बार आपने भारी मतों से जीत हासिल की और प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने पार्टी की मंशानुरूप आपको कवीनामंत्री बनाया और आज प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री के रूप में प्रदेश में लोकप्रिय हैं आपके कार्यकाल में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश ने उच्च मुकाम हासिल किया है कई उल्लेखनीय सफलतायें हासिल की हैं आपको श्योपुर एवं अशोक नगर का प्रभार दिया गया है ! सहज सरल एवं मितव्ययी होने से लोग इन्हे सदैव पसंद करते हैं और इनके चाहनेबालों की लम्बी कतार मौजूद है एक बार जो इनसे जुड़ता है वह कभी इनसे दूर जाने की नहीं सोचता इनका पूरा परिवार संबंध बनाने और उन्हें निभाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता ! आजकल जरा सी उपलब्धि पाकर लोग बौराजाते हैं किंतु इस परिवार में घमंड नाम की कोई चीज नहीं है यही इनकी दिन प्रतिदिन उन्नति और ख्याति का अहम कारण है अपनों के प्रति बफादारी और समर्पण एवं सभी के प्रति सहयोगी एवं अपनत्व के भाव इस पूरे परिवार में प्रायः देखे जासकते हैं ! चारो भाइयों के सात पुत्रों में भी यही सहजता सरलता और स्नेह के भाव परिलक्षित हैं !

शब्द सामर्थ्य -004

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

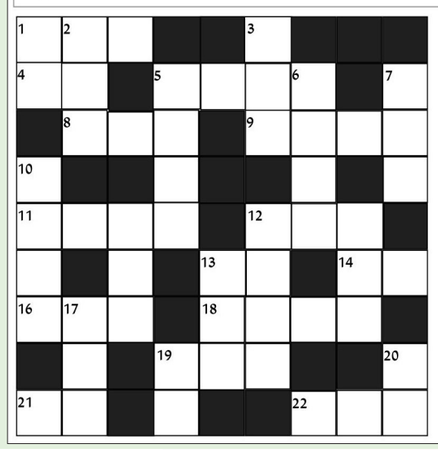

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 003 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सू- दोकू क्र.004

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.003 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

राशिफल

मेष

कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। आज का दिन कुछ मिले-जुले प्रभाव वाला रहने वाला है। कुछ समय से चल रही किसी उलझन से आज आपको राहत मिलेगी। आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में कुछ समय बिताना आपको पॉजिटिव बनाएगा। मेडिकल की पढाई कर रहें छात्रो को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। मां दुर्गा को लौंग अर्पित करें, सब ठीक रहेगा।

वृषभ

आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किये गये कार्यों से पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। आज आप जीवन की वास्तविकता को समझेंगे तथा किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपना मनोबल बनाए रखेंगे। अपने मन मुताबिक कार्य न होने पर एग्रेसिव होने से बचे, शांति और धैर्य पूर्ण तरीके से अपनी बात को रखने का प्रयास करेंगे तो सब ठीक होगा। मां दुर्गा की आरती करें, सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी।

मिथुन

आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पारिवारिक रखरखाव तथा सुधार संबंधी कार्यों में बीतेगा । घर के सभी सदस्य आपस में बैठकर एक दूसरे से अपने विचार साझा करेंगे । किसी विशेष काम के प्रति किए गए प्रयासों के लिए उचित परिणाम मिलने के योग हैं। आज अपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। मां शैलपुत्री के सामने घी का दिपक जलाये, सब अच्छा होगा।

कर्क

आज बच्चों को करियर के मामले में खुशखबरी मिलेगी। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं उन्हे, उनके कार्यों के लिए वाहवाही मिलेगी। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। आज अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बनाकर रखेगा। इलेक्ट्रोनिक सामान खरीदना चाहते है तो आज का दिन अच्छा है। मां दुर्गा को मीठे का भोग लगायें, दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

सिंह

आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा । आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बितायेंगे। आज आपके व्यवसाय में स्थिति पहले जैसी ही रहेगी। आज कार्यों को जल्दबाजी में न करके सोच विचार करेंगे तो आपका काम आसानी से होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आपके पक्ष में आयेगा। माँ शैलपुत्री का ध्यान करें, रूका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा।

कन्या

आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यो को पूरा करने में रहेगा।आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। आज किसी भी प्रकार की दुविधा होने पर परिवारजनों का सहयोग आपको निर्णय लेने में मदद कर सकता है। आज किसी प्रिय मित्र से भी मुलाकात होगी। महिलाओ को घर के कार्यो से राहत मिलेगी । बच्चे आज खेल कूद में व्यस्त रहेंगे। देवी दुर्गा की उपासना करें, समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

तुला

आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। पिता अपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगें। आज मन मुताबिक काम बनने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के युवाओं को आज जो भी रोजगार संबंधी अवसर मिले, उसका भरपूर लाभ उठाना चाहिए। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों में किए गए प्रयासों के आज उचित परिणाम सामने आएंगे। आज लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। मां शैलपुत्री को फूल अर्पित करें, घर में शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक

आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में सुधार आएगा। आज सरकारी कार्यों को पूरा करने में आपको किसी प्रभावशाली इंसान की मदद मिलेगी। बच्चे आज किसी जरुरी काम में अपनी माता की मदद मागेंगे। जिससे उनके काम पूरे होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन उनके अनुकूल रहने वाला है। मां शैलपुत्री के आगें हाथ जोडें, रूकें हुए काम पूरें होंगे।

धनु

आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगें। आज अनुभवी लोगों के सानिध्य में रहने का अवसर मिलेगा। सकारात्मक पहलुओं की जानकारी मिलेगी । आर्थिक तथा पारिवारिक स्थिति को बेहतर बनाने में आपका प्रयास रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित कार्य संपन्न होंगे। बच्चे आज आपके साथ खेलने की जिद् करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। मां शैलपुत्री के सामने कपूर जलाए, आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर

आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपकी दैनिक आय पहले से कुछ बेहतर होगी । किसी भी नए काम को शुरू करने में जल्दबाजी ना करें । इस राशि के युवाओं को करियर संबंधी शुभ समाचार मिलने के योग हैं। प्राइवेट जॉब कर रहे कर्मचारियों के सैलरी में इन्क्रीमेंट होगा। वकील वर्ग के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। मां शैलपुत्री को इलायची अर्पित करें, जीवन में खुशियों की प्राप्ती होगी।

कुंभ

आज का दिन शानदार रहने वाला है। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा । आज बच्चों के समक्ष आप श्रेष्ठ अभिभावक साबित होंगे। अपने कामों से संबंधित नीतियों पर सोच-विचार करने से आप सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे। आज ऐसी पुरानी चीज आपके हाथलग सकती है, जिसे पा कर आपको खुशी महसूस होगी । आज आपके दाम्पत्य जीवन में खुशियाँ आएँगी। मां दुर्गा के आगें हाथ जोडें, करियर में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे ।

मीन

आज का दिन खुशियां लेकर आया है। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष योगदान रहेगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों के साथ मेल मुलाकात होगी और आपसी रिश्ते में मधुरता आएगी। आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में निखार आएगा। जीवनसाथी आज आपको नन्हे मेहमान के आने की खुशखबरी दें सकते है। मां दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं, जीवन में चल रही परशानियाँ खत्म होंगी।

दतिया,जहां विराजमान हैं देवी पीताम्बरा

(रमाकांत पंत-विभूति फीचर्स)

मध्य प्रदेश में स्थित दतिया शहर का महत्व सम्पूर्ण भारत वर्ष की आध्यात्म की विरासत में अद्भुत व अतुलनीय है। ब्रह्मास्त्र शक्ति की अधिष्ठात्री देवी माई पीताम्बरा का दरबार होने के कारण दतिया को पावन धाम का दर्जा प्राप्त है।महाभारत काल की स्मृतियों को अपने आंचल में समेटे दतिया धाम में माई पीताम्बरा के दर्शनों हेतु देश व विदेश से भक्तजनों की आवाजाही निरंतर लगी रहती है इस दरबार के प्रति उत्तराखण्डवासियों की भी गहरी आस्था है। देहरादून,हल्द्वानी, के अलावा दिल्ली,लखनऊ,मुंबई आदि महानगरों में प्रवास कर रहे पहाड़वासी समय समय पर दतिया पहुंचकर माई पीताम्बरा के दर्शन कर अपना जीवन धन्य करते है। भगवान श्री कृष्ण की आराध्या होने के कारण ये केशवस्तुता भी कही जाती है। अनेक प्राचीन वैदिक संहिताओं तथा धर्म ग्रन्थों में महाविद्या बगलामुखी देवी के स्वरूप, शक्ति व लीलाओं का अत्यन्त विषद वर्णन मिलता है। दश महाविद्याओं में भगवती बगलामुखी को पंचम शक्ति के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है। भारतवर्ष के मध्य प्रदेश राज्य अन्तर्गत दतिया नगर में स्थित पीताम्बरा शक्ति पीठ, भगवती बगलामुखी देवी के प्रमुख शक्ति पीठों में से एक है। इसकी नींव वर्ष 1920 में तत्कालीन महान सन्त पूज्यपाद राष्ट्रगुरु अनन्त श्री स्वामी जी महाराज द्वारा लोक कल्याण के पावन संकल्प के साथ रखी गयी थी। यहीं से बगलामुखी देवी की साधना एवं पूजा-अर्चना पीताम्बरा स्वरूप में आरम्भ हुई और देखते ही देखते इस शक्तिपीठ की कीर्ति पूरे भारतवर्ष में फैल गयी और वर्तमान में तो माँ का यह प्रसिद्ध शक्तिपीठ दुनिया भर के समर्पित साधकों के लिए एक महातीर्थ के रूप में लोक प्रसिद्ध है । दतिया स्थित भगवती पीताम्बरा माई के इस शक्तिपीठ का पुरातन स्वरूप बड़ा ही आकर्षक, मनोहारी एवं परम शान्तिदायक था। नैसर्गिक वातावरण के बीच स्थित यह शक्तिपीठ तब चारों ओर से सघन वनों से घिरा हुआ था। आश्रम से लगे वन क्षेत्र में दिन के समय में भी अनेक वन्य जीव यत्र-तत्र निर्भय होकर विचरते रहते थे। ऐसे भी प्रसंग मिलते हैं जब हिंसक वन्य जीव आश्रम परिसर में आ कर शान्त भाव से घंटों बैठे रहते थे और महाराज के सानिध्य में मानो भक्ति का लाभ उठाते थे। हरे-भरे वृक्षों से आच्छादित आश्रम में नाना प्रकार के पक्षियों का मधुर कलरव यहां के दिव्य एवं मनोहारी वातावरण को और भी मोहक बना देता था। मन्द पवन के बीच रंग-बिरंगे फूलों पर मंडराते भंवरों की गुंजन समूचे वातावरण में संगीत का अनुभव कराती प्रतीत होती थी। आश्रम में दूर-दूर से आकर सन्त-महात्मा एवं साधकगण नित्य ही शोभा पाते थे और पूज्यपाद अनन्त श्री महाराज जी के स्नेह,सानिध्य एवं मार्गदर्शन में माँ भगवती पीताम्बरा देवी की कठोर व पवित्र साधना में रत रह कर अनेकानेक सिद्धियां अर्जित करते थे। सभी तरह की सिद्धियों में लोक कल्याण की पुनीत भावना सर्वोपरि रहती थी।आज भी शान्ति का यह स्वरुप यहां कायम है।

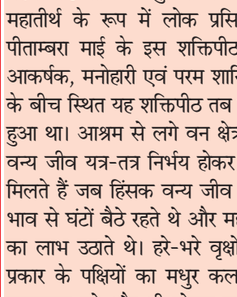

मिशन बिहार 2025, सक्रिय हुए अमित शाह

(कुमार कृष्णन -विनायक फीचर्स)

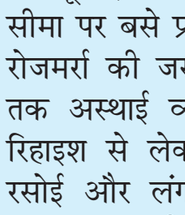

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मिशन बिहार 2025 पर पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। इसके लिए उन्होंने राजनीतिक बिसात भी बिछाना प्रारंभ कर दिया है। सरकारी योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यासों के साथ ही अपने इस मिशन के लिए उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों के साथ अपने समीकरणों को भी साधना प्रारंभ कर दिया है। गृह मंत्री ने बिहार के पटना में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की 800 करोड़ रूपए से अधिक लागत वाली विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि विगत 10 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के करोड़ों गरीबों के कल्याण के लिए कई काम किए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी सरकारों ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने 10 साल में गरीबों को घर, बिजली, गैस, पेयजल, शौचालय, दवाएं और 5 किलो मुफ्त अनाज दिया है। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने 80 करोड़ लोगों को प्रति माह प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज, 4 करोड़ लोगों को घर, 11 करोड़ गैस सिलेंडर, 12 करोड़ से अधिक शौचालय और 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसान, महिलाएं, डेयरी, मत्स्यपालन और कृषि से जुड़ी गतिविधियों को गति देने के लिए आज़ादी के 75 साल बाद देश में सहकारिता मंत्रालय का गठन किया।

उन्होंने कहा कि आज़ादी के 75 साल तक देश में किसी को भी सहकारिता को मज़बूत करने के बारे में सोचने की फुरसत नहीं थी। उन्होंने कहा कि बिहार, भूमि, जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर राज्य है और आने वाले समय में इस राज्य को सहकारिता क्षेत्र का सबसे अधिक फायदा होगा।

इस पूरे कार्यक्रम में अमित शाह के निशाने पर विपक्ष रहा। उन्होंने कहा कि विपक्षी सरकारों के शासनकाल में बिहार में सहकारिता को पूरी तरह चौपट कर दिया गया था और सैकड़ों चीनी मिलें बंद हो गईं थीं। उन्होंने कहा कि एक ज़माने में बिहार का चीनी उत्पादन देश के चीनी उत्पादन का 30 प्रतिशत से अधिक था जो विपक्षी सरकारों के कार्यकाल में घटकर 6 प्रतिशत से भी कम रह गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार बिहार में बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने का काम करेगी।उन्होंने कहा कि 1990 से 2005 तक विपक्षी सरकारों ने बिहार में हत्या,

अपहरण, फिरौती, डकैती और लूटपाट की एक इंडस्ट्री चलाई जिसने राज्य को पूरी तरह से बरबाद कर दिया। बिहार में विपक्षी सरकारों के शासनकाल में जातीय नरसंहार हुए, सत्तापोषित भ्रष्टाचार हुआ और चारा घोटाले से राज्य को देश और दुनिया में बदनाम करने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि विपक्षी सरकार को बिहार के इतिहास में हमेशा के लिए जंगलराज के रूप में जाना जाएगा।बिहार में नीतीश सरकार के 10 साल के कार्यकाल में हर गांव तक सड़क, बिजली और नल से जल पहुंचा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने घर, शौचालय, पानी, दवाएं, राशन देकर बिहार के गरीबों के कल्याण के काम किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछली केन्द्र सरकार के 10 साल के कार्यकाल में बिहार को 2 लाख 80 हज़ार करोड़ रुपए दिए गए थे जबकि मोदी सरकार के 10 साल में बिहार को 9 लाख 23 हज़ार करोड़ रूपए दिए गए हैं। श्री शाह ने कहा कि बिहार में 4 लाख करोड़ रूपए के सड़क और पुल, 1 लाख करोड़ रूपए के रेलवे प्रोजेक्ट्स और 2 हज़ार करोड़ रूपए के एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 8 हज़ार करोड़ रूपए से बिहार में 7 बड़े पुलों का निर्माण हो रहा है, 31 हज़ार करोड़ रूपए से 5 हज़ार किलोमीटर लंबी रेल लाइन बन रही है और देश में पहली किसान रेल भी बिहार से ही शुरू हुई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बिहार में मखाना बोर्ड बनाया और बरौनी के खाद कारखाने सहित 766 अन्य प्रोजेक्ट भी केन्द्र सरकार की मदद से राज्य में शुरू हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का विकास का 20 साल का ट्रैक रिकॉर्ड है और अब यहां से जंगलराज समाप्त हो चुका है।

मोदी सरकार ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को मज़बूत करने के लिए कई काम किए हैं। राज्य में मखाना केन्द्र बनाया है और अब मक्का संशोधन केन्द्र को 1 हज़ार करोड़ की लागत से पुनर्जीवित कर मक्का उगाने वाले किसानों के लिए कई योजनाएं भी हम लाने वाले हैं। आज किसानों का पूरा मक्का, दलहन, गेहूं और चावल, भारत सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद रही है।

श्री शाह ने कहा कि आज बिहार देश में लीची, मशरूम और मखाने के उत्पादन में प्रथम स्थान, मक्का उत्पादन में दूसरे, मसूर दाल और शहद उत्पादन में तीसरे, मूंग और गन्ना उत्पादन में पांचवे और गेहूं और चावल उत्पादन में छठे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि बिहार में कृषि विकास और सहकारिता के विकास की बहुत संभावनाएं हैं जिनका शत प्रतिशत दोहन किया जाएगा। बंद पड़ी 30 चीनी मिलों को शुरू करने में सरकार अपनी पूरी ऊर्जा लगा देगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी एक बार फिर भाजपा को भरोसा दिया कि अब वह कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे, बल्कि एनडीए में बने रहेंगे। सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमसे गलती हो गई कि हम दो बार उधर चल गए। हमारी पार्टी के ही कुछ लोगों ने गड़बड़ कर दिया था। इसलिए हम इधर से उधर चले गए थे, लेकिन अब हम लोगों ने तय कर लिया है कि कभी उधर नहीं जाएंगे। मुख्य मंत्री नीतीश कुमार ने इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने ही मुझे मुख्यमंत्री बनाया था। अटल बिहारी वाजपेयी ने मुझ पर भरोसा जताया था। हम कैसे भूल सकते हैं। हम लोग शुरू से मिलकर काम कर रहे हैं और आगे भी मिलकर काम करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले थे, उस समय बिहार में कोई काम नहीं हुआ था। वे लोग हिंदू और मुस्लिम के बीच सिर्फ झगड़ा करवाते थे। पढ़ाई को लेकर कोई संसाधन नहीं था।

रेप के बाद 5वीं मंजिल से फेंकी गई टिकटॉक स्टार

जिंदा बचीं लेकिन इज्जत के नाम पर पिता-भाई ने नींद में ही गोलियों से भून डाला

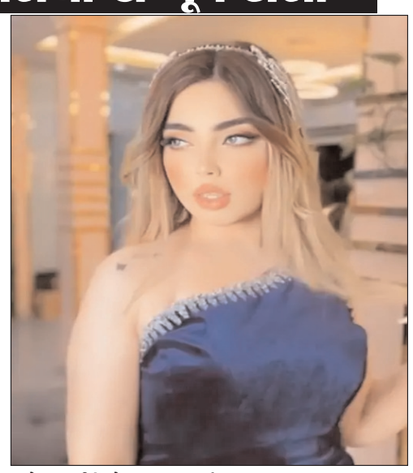

इराक का एक शहर है कुर्दिस्तान। वैसे तो ये शहर खूबसूरत इमारतों और रिच कल्चर के लिए जाना जाता है, लेकिन इस शहर में महिलाओं की स्थिति बद से बदतर है। साल 2023 में इस शहर में 30 औरतों की ऑनर किलिंग हुई । 2022 में ये आंकड़ा 23 था और 2017-19 के बीच यहां 200 महिलाओं को इज्जत के नाम पर बेरहमी से कत्ल कर दिया गया। किसी का कसूर था जबरदस्ती की शादी से इनकार करना, तो कोई पढ़ना चाहती थी। किसी ने कुछ कर दिखाने के सपने देखे, तो कोई सिर्फ इसलिए मारी गई क्योंकि वो कट्टरपंथियों के सांचे में सटीक नहीं बैठती थी।ये आंकड़े हम आपको इसलिए बता रहे हैं क्योंकि आज जो कहानी हम बता रहे हैं वो भी एक इराकी इन्फ्लुएंसर की है, जिसका सिर्फ इसलिए कत्ल कर दिया गया, क्योंकि वो फेमस थी। उसका कत्ल करने वाला कोई अनजान नहीं बल्कि उसके अपने पिता, भाई और रिश्तेदार थे। नींद में ही गोली मारकर उसे छलनी कर दिया गया था।

ये कहानी है टिकटॉक स्टार फैरूज आजाद की। फैरूज परिवार के हाथों मारे जाने से पहले भी मौत का सामना कर चुकी थीं। कुछ महीने पहले उनका रेप हुआ था और उन्हें 5वीं मंजिल से फेंक दिया गया था। जैसे-तैसे वो सर्वाइव कर गईं, लेकिन इस दर्द को भूलने से पहले ही उनका कत्ल हो गया।

आज अनसुनी दास्तान के 3 चैप्टर्स में पढ़िए इन्फ्लुएंसर फैरूज आजाद के कत्ल की सिहरन पैदा करने वाली कहानी-

फैरूज आजाद का जन्म साल 2003 में इराक के कुर्दिस्तान रीजन के इरबिल में हुआ था। उनका एक बड़ा भाई भी था। फैरूज कम उम्र की थीं, जब उनके पेरेंट्स ने तलाक ले लिया। बड़ा भाई पिता के साथ चला गया और फैरूज अपनी मां नाजा फरहाद के साथ रहने लगीं। जब वो बड़ी हुईं तो मां ने इरबिल के शाहीन नहरो से शादी कर ली। इस शादी से भी उन्हें एक बेटा हुआ।शुरुआती पढ़ाई के बाद कम उम्र से ही फैरूज को तस्वीरें लेने और वीडियोज बनाने का बड़ा शौक था। वो अक्सर सज-धजकर अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाला करती थीं। समय के साथ उनके फॉलोअर्स में भी इजाफा होने लगा और शहर में भी उन्हें खासी पहचान मिलने लगी।

जैसे-जैसे फैरूज पॉपुलर हो रही थीं, वैसे-वैसे उनके घर में तनाव बढ़ रहा था। वायरल होते-होते फैरूज के वीडियोज उनके बायोलॉजिकल पिता और भाई तक भी पहुंच गए। कट्टर सोच वाले पिता को बेटी का यूं बेपर्दा होकर वीडियो बनाना बर्दाश्त नहीं था। उन्होंने फैरूज की मां से संपर्क किया और साफ-साफ कह दिया कि बेटी से कहा जाए कि वो अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दे।हालांकि फैरूज अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती थीं और उन्होंने पिता की नाराजगी को अपने काम के आड़े नहीं आने दिया। इराक जैसे इस्लामिक देश में, जहां पर्दा करने पर सख्ती थी और महिलाओं पर कई पाबंदियां थीं, ऐसे देश में फैरूज का मॉडर्न कपड़े पहनना और गाने गाते, डांस करते हुए वीडियो बनाना चर्चा का मुद्दा बन गया।

हालांकि इन सामाजिक अड़चनों से इतर फैरूज इराक में मशहूर हो गईं। उन्हें इराक के सबसे पॉपुलर इन्फ्लुएंसर में गिना जाने लगा था। कंटेंट क्रिएशन के सिलसिले में फैरूज की साथी इन्फ्लुएंसर से भी मुलाकातें होने लगीं।

18 नवंबर 2023 की बात है, फैरूज को दो साथी टिकटॉक स्टार ने मिलने बुलाया। फैरूज उन्हें अच्छी तरह जानती थीं, ऐसे में वो उनसे मिलने चली गईं। उनकी मुलाकात एर्बिल के हाउसिंग अपार्टमेंट में हुई। कुछ समय बाद ही कंटेंट पर फैरूज की उन दोनों लड़कों से बहस होने लगी। बहस के दौरान दोनों लड़कों ने उनके साथ जबरदस्ती की। फैरूज वहां से भागने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन दोनों की जोर-जबरदस्ती के चलते वो ऐसा नहीं कर सकीं।

उनका झगड़ा इस कदर बढ़ गया कि दोनों लड़कों ने फैरूज को हाउसिंग अपार्टमेंट की 5वीं मंजिल की बालकनी से नीचे फेंक दिया। फिर भी फैरूज जिंदा बच गईं। जब वो गिरीं तो पास से गुजर रहे कुछ लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया। उनका एक पैर टूट गया, रीढ़ की हड्डी और कमर में फ्रैक्चर हो गया और शरीर पर कई और चोटें भी लगी थीं।हत्या का प्रयास करने के आरोप में दोनों आरोपी इन्फ्लुएंसर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई गई। इस मामले में पुलिस ने अस्पताल में फैरूज का बयान दर्ज किया। फैरूज ने पुलिस को बताया कि 5वीं मंजिल से फेंके जाने से पहले उनका रेप किया गया था। फैरूज के अनुसार, बहस के दौरान दोनों लड़कों ने उन्हें पकड़ लिया। एक लड़के ने उनका रेप किया। दूसरा लड़का भी रेप करना चाहता था, लेकिन बचाव में उन्होंने जब चीखना शुरू कर हाथ-पैर झटके तो गुस्से में दोनों ने उन्हें बिल्डिंग से नीचे फेंक दिया। फैरूज के बयान के बाद दोनों इन्फ्लुएंसर को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, कुछ ही दिनों बाद फैरूज के बायोलॉजिकल पिता ने उनसे 50 हजार डॉलर लेकर केस खत्म करवा दिया।

आमिर-सलमान का ईद सेलिब्रेशन-एक्टर ने गैलेक्सी की बालकनी से फैंस को वेव किया; दोनों बेटों के साथ दिखे मिस्टर परफेक्शनिस्ट

सोमवार को देशभर में ईद का त्योहार मनाया जा रहा है। बॉलीवुड के कई कलाकारों ने अलग-अलग तरह से ईद सेलिब्रेट की। इसी बीच सलमान और आमिर ने अपने पुराने सेलिब्रेशन ट्रेंड को फॉलो किया है। सलमान खान हर बार की तरह इस बार भी गैलेक्सी अपार्टमेंट की बालकनी में आए।वहीं, आमिर खान बेटे जुनैद खान और आजाद खान के साथ नजर आए। इस दौरान तीनों ने सफेद कुर्ता-पायजामा पहना हुआ था।आमिर खान के घर पर ईद के मौके पर उनकी दोनों एक्स वाइफ रीना दत्ता और किरण राव भी पहुंची। आमिर बालकनी में फिल्म अंदाज अपना अपना के निर्देशक राजकुमार संतोषी के साथ दिखाई दिए। फिल्म 25 अप्रैल को री-रिलीज होगी। मेकर्स ने हाल ही में कहा था, री-रिलीज के बाद सीक्वल के बारे में सोचेंगे। इस फिल्म में आमिर और सलमान साथ नजर आए थे।

सलमान खान हर साल ईद के मौके पर पिता सलीम खान के साथ दिखाई देते हैं। लेकिन, इस बार वह बहन अर्पिता के बेटे आहिल और बेटी आयत के साथ बालकनी में नजर आए।

सलमान के घर की सुरक्षा बढ़ाई गई थी

जनवरी 2025, में सलमान ने अपने घर की सुरक्षा बढ़ा दी थी। एक्टर ने गैलेक्सी अपार्टमेंट की बालकनी की सुरक्षा के लिए नए बुलेटप्रूफ ग्लास लगवाए थे। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से उनकी और यहां तक कि उनके परिवार के लोगों की जान को लगातार खतरा होने के चलते यह कदम उठाया गया था।

'सुशांत सिंह राजपूत पर बोलने की सजा मिली' -दिवंगत एक्टर की दोस्त बोलीं- पब्लिसिटी के लिए कोई अपनी जिंदगी और करियर दांव पर नहीं लगाता

टीवी एक्ट्रेस क्रिसन बैरेटो, जो 'ससुराल सिमर का' और 'कैसी ये यारियां' जैसे शोज में अपनी एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं, ने हाल ही में अपने स्ट्रगल को लेकर बड़ा खुलासा किया।एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के बारे में खुलकर बात की, तो इसका खामियाजा उन्हें अपने करियर में भुगतना पड़ा।

अगर आप एक्टर हैं, तो आपको दुख जताने का हक नहीं

शार्दुल पंडित के शो 'अनसेंसर्ड विद शार्दुल' में बातचीत के दौरान क्रिसन ने बताया कि सुशांत के लिए बोलने के बाद उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्हें सिर्फ आलोचना ही नहीं झेलनी पड़ी, बल्कि प्रोडक्शन हाउसेज ने भी उन्हें काम देने से मना कर दिया।

उन्होंने कहा, 'इंडिया में अगर आप एक्टर हैं, तो आपको अपना दुख दिखाने का हक नहीं है। अगर आपका कोई दोस्त चला जाता है और आप उसके बारे में कुछ कहते हैं, तो लोग सोचते हैं कि आप अटेंशन के लिए कर रहे हैं। कैमरे के सामने रहने की वजह से लोग हमारी असली इमोशंस को भी एक्टिंग मानते हैं।'

मैंने करियर और जिंदगी का रिस्क लिया

सुशांत के केस पर खुलकर बोलने के खतरे के बारे में क्रिसन ने कहा कि यह आसान फैसला नहीं था। 'कोई इस पर इसलिए नहीं बोल रहा था, क्योंकि इसमें रिस्क था। मैंने अपने करियर और जिंदगी का रिस्क ले लिया।

मनोज बाजपेयी ने बताया फिल्मों-सीरीज में क्यों देते हैं गालियां

बोले- ऐसा करना सही नहीं लगता है, स्क्रिप्ट के आगे मजबूर हूं

मनोज बाजपेयी की एक्टिंग के अलावा फिल्मों और सीरीज में उनकी गालियां भी बड़ी फेमस हैं। उनके इस फ्रस्टेट अवतार को लोग पसंद भी करते हैं। हालांकि स्क्रीन पर गालियां देने में मनोज को कोई आनंद नहीं आता है। उन्हें तो ऐसा करना अच्छा भी नहीं लगता है। मनोज ने कहा कि स्क्रिप्ट की डिमांड ही ऐसी रहती है कि उन्हें ऐसे शब्दों का प्रयोग करना पड़ता है।

मनोज बाजपेयी आज भी थिएटर को काफी मिस करते हैं। मनोज ने कहा कि वो अपने आप को आज भी सिनेमा का एक्टर नहीं मानते। वो खुद को थिएटर एक्टर के तौर पर जानते हैं। प्राची देसाई ने कहा कि जो स्क्रिप्ट वो कई बार पढ़ती हैं, मनोज बाजपेयी उसे कुछ ही बार में पढ़कर समझ लेते हैं।

मनोज बाजपेयी और प्राची देसाई की फिल्म साइलेंस-2, 16 अप्रैल को OTT प्लेटफॉर्म ZEE 5 पर रिलीज होगी। दोनों एक्टर ने फिल्म और अपनी प्रोफेशनल लाइफ के बारे में बातचीत की है।

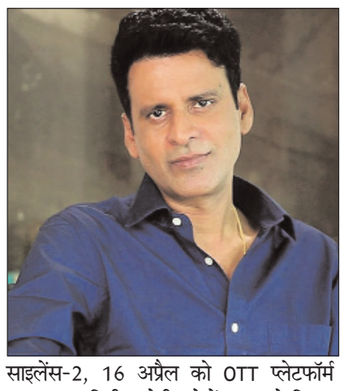

मनोज ने कहा- स्क्रिप्ट की डिमांड की वजह से देनी पड़ती हैं गालियां

वेब सीरीज और फिल्मों में मनोज बाजपेयी की गालियां भी बहुत पॉपुलर हो रही हैं। इस संबंध में मनोज ने हंसते हुए कहा- मैं गालियां देना चाहता तो नहीं हूं, लेकिन डायरेक्टर्स मुझसे यह निकलवा लेते हैं। लोग अट्रैक्ट हों, इसके लिए कभी गालियां नहीं देता। जब स्क्रिप्ट की मांग रहती है, तभी गालियां ऐड की जाती हैं। जब लगता है कैरेक्टर फ्रस्टेट हो रहा है, तभी वो गालियां देता है।

डायलॉग्स की लाइनें याद करना मुश्किल काम- मनोज

मनोज बाजपेयी ने कहा कि डायलॉग्स की लाइंस याद करना सबसे मुश्किल काम होता है। इस फिल्म की डायरेक्टर अबान बहुत डीटेल्ड स्क्रिप्ट लिखती हैं। कई वर्ड तो ऐसे लिखती हैं, जो हमने कभी सुने ही नहीं होते। ऐसे वर्ड को समझना और उसे नेचुरली बोलना सबसे मुश्किल काम है।

अपने रोल में घुस जाते हैं मनोज

डायरेक्टर अबन देव ने कहा- मनोज बाजपेयी सर अपने रोल में घुस जाते हैं, इसका एक उदाहरण बताती हूं। जब मैं साइलेंस-2 की स्क्रिप्ट लिख रही थी तो मनोज सर ने कहा कि मुझे तीन-चार दिन पहले एक फाइनल स्क्रिप्ट दे दीजिएगा ताकि मैं तैयारी कर सकूं।

काम करने के तरीकों में बदलाव करते रहते हैं मनोज

मनोज ने कहा कि वो कभी भी एक प्रोसेस पर ज्यादा नहीं चलते।

संक्षिप्त समाचार

बैंक ऑफ अमेरिका ने सोने की कीमतों पर किया बड़ा दावा, एमपीसी के बाद रेपो रेट घटने का भी अनुमान

नई दिल्ली,ए.। अगर सोने की गैर-वाणिज्यिक खरीद में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो अगले 18 महीनों में इसकी कीमतें संभावित रूप से 16% तक बढ़कर 3,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। बैंक ऑफ अमेरिका (BofA) ने अपनी एक रिसर्च रिपोर्ट में यह दावा किया है। इसके साथ ही बैंक ऑफ अमेरिका ने अपनी रिसर्च रिपोर्ट में यह भी बताया है कि आरबीआई अप्रैल में होने वाली अपनी मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक में एक बार फिर रेपो रेट घटा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार सोने में निवेश की मामूली वृद्धि भी इस साल सोने की कीमतों पर बड़ा असर डाल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर निवेश की मांग में सिर्फ 1 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो 2025 में सोना औसतन 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, अगर गैर-वाणिज्यिक खरीद में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो आने वाले 18 महीनों में सोना संभावित रूप से 3,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है।

एटीएम से पैसे निकालना महंगा, न्यूनतम बैलेंस के नियम सख्त

नई दिल्ली,ए.। से नए वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत हो रही है।?इस तारीख से आपकी जेब और जिंदगी पर सीधा असर डालने वाले कई बड़े बदलाव होने वाले हैं। इस दौरान टैक्स, बैंकिंग, यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, जमा, बचत व जीएसटी से जुड़े नियमों में संशोधन हो रहा है। इन बदलावों का मकसद करदाताओं, वरिष्ठ नागरिकों, उपभोक्ताओं और व्यवसायों को राहत देकर खर्च एवं खपत को बढ़ाना है, ताकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार को मजबूती मिल सके।

एटीएम से पैसे निकालना महंगा, हर अतिरिक्त निकासी पर 23 रुपये शुल्क

एटीएम से पैसे निकालना एक मई, 2025 से महंगा हो जाएगा। आरबीआई ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी कर एटीएम इंटरचेंज शुल्क बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इस बदलाव से एटीएम का बार-बार इस्तेमाल करने वाले ग्राहक प्रभावित होंगे, क्योंकि शुल्क वृद्धि से निकासी लागत बढ़ जाएगी।अधिसूचना के मुताबिक, एक मई से ग्राहकों को मुफ्त निकासी सीमा के बाद हर लेनदेन के लिए दो रुपये अतिरिक्त देने होंगे। यानी हर नकद निकासी पर 21 रुपये की जगह अब 23 रुपये शुल्क लगेगा। दरअसल, एटीएम से मुफ्त नकदी निकासी की एक सीमा तय है। मेट्रो शहरों में ग्राहक एक महीने में अपने बैंक के एटीएम से पांच बार और दूसरे बैंक के एटीएम से तीन बार बिना किसी शुल्क के पैसे निकाल सकते हैं। इसके बाद ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क देना पड़ता है।

फैशन ब्रांड प्रीमार्क के सीईओ ने पद छोड़ा

नई दिल्ली,ए.। यूरोप के सबसे बड़े फास्ट फैशन खुदरा विक्रेताओं में से एक, प्रीमार्क के सीईओ ने एक महिला के प्रति अपने व्यवहार की जांच के बाद इस्तीफा दे दिया है। 2009 से प्रीमार्क के सीईओ पॉल मर्चेंट ने इस मामले में संबंधित व्यक्ति से माफी मांगी है और तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने का एलान किया है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीईओ के पद छोड़ने के बाद बाद प्रीमार्क की पैरेंट कंपनी एसोसिएटेड ब्रिटिश फूड्स (एबीएफ) के शेयरों में शुरुआती कारोबार में 4.9त्न की गिरावट आई।

आखिर 15 ओवर के बाद ही क्यों बैटिंग करने आते हैं धोनी?

-फ्लेमिंग ने दिया सबसे बड़े सवाल का जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम को आईपीएल 2025 में तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम की बल्लेबाजी काफी कमजोर नजर आ रही है और ऊपर से एमएस धोनी का बैटिंग नंबर भी एक चिंता का विषय है क्योंकि या तो वो नंबर 9 पर आ रहे हैं और या तो नंबर 7 पर, ये दोनों ही ऐसे नंबर हैं जहां पर मैच को कंट्रोल करने के लिए धोनी को बहुत ही कम ओवर मिलते हैं। कुछ फैंस का मानना है कि धोनी को बल्लेबाजी क्रम में थोड़ा ऊपर आकर मैच को कंट्रोल करना चाहिए लेकिन अब कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने जो खुलासा किया है उसने सीएसके फैंस के दिल में धोनी की इज्ज़त और बढ़ा दी है। फ्लेमिंग ने कहा है कि लाइनअप में एमएस धोनी की बल्लेबाजी की स्थिति समय पर निर्भर करती है क्योंकि दिग्गज विकेटकीपर की फिटनेस पहले जैसी नहीं रही। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी के घुटने पहले जैसे नहीं रहे। सीएसके कोच ने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकता और 43 वर्षीय धोनी अंत में ये आंकलन करते हैं कि वो टीम के लिए क्या दे सकते हैं। फ्लेमिंग ने कहा, हां, ये समय की बात है।एमएस इसका आकलन करते हैं। उनका शरीर, उनके घुटने पहले जैसे नहीं हैं और वो ठीक से चल रहे हैं, लेकिन इसमें अभी भी एक कमी है। वो पूरे स्टिक से 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए वो उस दिन आकलन करेंगे कि वो हमें क्या दे सकते हैं। अगर खेल आज की तरह संतुलन में है, तो वो थोड़ा पहले जाएंगे और जब अन्य अवसर आएंगे तो वो अन्य खिलाड़ियों का समर्थन करेंगे। इसलिए वो इसे संतुलित कर रहे हैं। फ्लेमिंग ने आगे बोलते हुए कहा, मैंने पिछले साल भी यही कहा था कि वो हमारे लिए बहुत मूल्यवान है।

नेतृत्व और विकेटकीपिंग - इसलिए उसे नौ, दस ओवर में नहीं खिलाया जा सकता। उसने वास्तव में ऐसा कभी नहीं किया है। इसलिए, देखिए, लगभग 13-14 ओवरों से, वो इस बात पर निर्भर करता है कि कौन खेल रहा है। शायद फ्लेमिंग के खुलासे के बाद ये सवाल उठना बंद हो जाएंगे कि आखिर धोनी बल्लेबाजी क्रम में नीचे क्यों आते हैं। आपको बता दें कि धोनी अगली बार शनिवार, 5 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैच में सीएसके के लिए खेलेंगे।

आरआर कप्तान रियान पराग पर सीएसके के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा

नईदिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। राजस्थान ने बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में 182 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया और पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स पर छह रन से जीत दर्ज की, लेकिन टीम निर्धारित समय में 20 ओवर पूरे नहीं कर सकी, जिसके कारण कप्तान पराग पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आधिकारिक बयान में कहा गया है, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर 30 मार्च, 2025 को एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 11वें मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया है, चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए पराग पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले, बीसीसीआई ने फैसला किया है कि कप्तानों को अब टीम के धीमे ओवर-रेट के लिए मैच प्रतिबंध का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके बजाय, कप्तानों के लिए एक डिमेरिट अंक होगा। 20 मार्च को बीसीसीआई मुख्यालय में कप्तानों की बैठक के दौरान सभी टीमों को इसकी जानकारी दी गई। इससे पहले, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर भी इसी वजह से जुर्माना लगाया गया था।

इतना ही नहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2024 के मैच में धीमी ओवर गति के कारण लगे प्रतिबंध की वजह से हार्दिक चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुंबई इंडियंस का पहला मैच नहीं खेल पाए थे। आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले, बीसीसीआई ने फैसला किया है कि कप्तानों को अब टीम के धीमे ओवर-रेट के लिए मैच प्रतिबंध का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके बजाय, कप्तानों के लिए एक डिमेरिट अंक होगा। 20 मार्च को बीसीसीआई मुख्यालय में कप्तानों की बैठक के दौरान सभी टीमों को इसकी जानकारी दी गई।

एमआई के लिए आई बड़ी खुशखबरी, जसप्रीत बुमराह ने शुरू की बॉलिंग

-जल्द हो सकती है वापसी

नईदिल्ली,एजेंसी। मुंबई इंडियंस की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लगातार दो हार का सामना करना पड़ा है। लगातार हार का सामना कर रही मुंबई के लिए इस बीच राहत की खबर सामने आई है। टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में नेट्स पर गेंदबाजी शुरू कर दी है और उनका एक वीडियो भी सामने आया है। सिडनी में खेले गए बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के पांचवें टेस्ट के बाद से बुमराह एक्शन से बाहर हैं। तेज गेंदबाज को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से भी बाहर कर दिया गया था और वो अभी तक एक्शन में नहीं लौटे हैं। यहां तक कि इंडियन प्रीमियर लीग की टीम मुंबई इंडियंस भी बुमराह की वापसी को लेकर चिंतित है क्योंकि वो अब तक आईपीएल 2025 के अपने पहले दो मैच हार चुके हैं। हालांकि, मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर ये है कि तेज गेंदबाज ने नेट्स पर गेंदबाजी शुरू कर दी है और धीरे-धीरे पूरी तरह से फिट हो रहे हैं। वायरल हुए एक वीडियो में बुमराह को पूरी तीव्रता के साथ नेट्स पर गेंदबाजी करते देखा गया, जिससे उनकी जल्द वापसी की उम्मीद जगी है। हाल ही में, एमआई के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने बुमराह की फिटनेस पर अपडेट दिया और खुलासा किया कि वो अपने दैनिक कार्यक्रमों से गुजर रहे हैं। तेज गेंदबाज ने अपनी रिकवरी में अब तक अच्छी प्रगति की है। हालांकि, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मेडिकल स्टाफ ने उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित समय सीमा नहीं बताई है। बुमराह के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक फिट होने की उम्मीद थी और उन्हें टीम में भी शामिल किया गया था। हालांकि, जब वो समय पर फिट नहीं हो पाए तो उनकी जगह हर्षित राणा को शामिल किया गया। अब आईपीएल के बाद भारत को इंग्लैंड दौरे पर जाना है और 20 जून से इंग्लैंड में शुरू होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अपने अगले चक्र में भारत को बुमराह की बहुत जरूरत पड़ने वाली है।

करैरा पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, 2 कट्टे एवं 4 जिंदा राउण्ड जब्त

शिवपुरी। करैरा थाना पुलिस ने अपराध करने की नियत से करैरा में घूम रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो 315 बोर के देशी कट्टे एवं चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

करैरा थाना प्रभारी विनोद सिंह छावई के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति कट्टा लिए अपराध की नियत से घूम रहे है तभी उक्त सूचना की तस्दीक हेतु मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचे तो मुखबिर के बताये हुलिया के व्यक्ति देखा जो पुलिस को आता देख भागने लगे जिन्हें हमराही बल की मदद से घेर कर पकड़ा नाम पता पूछा तो अपना नाम विजय जाटव पुत्र तुलाराम जाटव उम्र 22 साल निवासी ग्राम सिल्लारपुर की तलाशी लेने पर एक 315 बोर का कट्टा तथा दो जिन्दा कारतूस मिले तथा दूसरे का नाम पता कीरत सिहं पुत्र बालकिशन जोशी उम्र 25 साल निवासी वार्डनं. 14 अनाज मण्डी के पास करैरा की जामा तलाशी लेने पर एक 315 बोर का कट्टा तथा दो जिन्दा कारतूस मिले 315 बोर की अधिया एवं कारतूस रखने का वैध लायसेंस चाहा तो नही होना बताया यह कृत्य अपराध धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से दो 315 बोर की कट्टा एवं दो कारतूस को जप्त किया गया

आरोपीगण के विरुध्द प्रथक प्रथक अपराध क्रमांक 253/25,254/25 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया।उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी करैरा निरी0 श्री विनोद छावई उनि रामानंद पचौरी, प्रआर. बीरेन्द्र सिंह, आर.सुरेन्द्र सिहं रावत, राधेश्याम जादौन, हरेन्द्र सिंह, मत्स्येन्द्र गुर्जरकी मुख्य भूमिका रही है।

शिवपुरी में प्रथम बार तीन जैनाचार्यों सहित 74 साधु-साध्वियों का मंगल प्रवेश 2 अप्रैल को

नगर में साधु भगवंतों के अभिभूतपूर्व स्वागत की तैयारी, प्रमुख मार्गो से निकलेगी भव्य शोभायात्रा, समाधि मंदिर पर होगे प्रवचन

शिवपुरी। धर्म नगरी शिवपुरी में इतिहास में प्रथम बार एक साथ तीन जैनाचार्यों सहित 74 साधु-साध्वी पद विहार करते हुए शिवपुरी आ रहे हैं। शिवपुरी में 2 अप्रैल को उनके मंगल प्रवेश के समय जैन समाज ने भव्य स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर को सजाया जा रहा है और साधु-साध्वियों के शोभायात्रा के मार्ग में स्वागत द्वार, बैनर और पोस्टर लगाए जा रहे हैं। शिवपुरी नगर में सभी 74 साधु-साध्वियों का मंगल प्रवेश विष्णु मंदिर के सामने स्थित श्वेताम्बर जैन समाज के अध्यक्ष तेजमल सांखला की कोठी से होगा, जहां से माधवचौक, सदर बाजार, पार्श्वनाथ जैन मंदिर, कस्टम गेट होते हुए विजयधर्म सूरीश्वर जी समाधि मंदिर पर शोभायात्रा का समापन आचार्य भगवंत श्री विजय जयकुंजर सूरीश्वर जी, आचार्य भगवंत श्री विजयराम चंद सूरीश्वर जी और आचार्य देव श्री विजय मुक्तिप्रभ सूरीश्वर जी महाराज के प्रवचन से होगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 74 जैन साधु-साध्वियों का काफिला झारखंड में स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ शिखरजी से पद विहार करता हुआ आ रहा है। सभी साधु-साध्वी प्रतिदिन 20 किलोमीटर की यात्रा कर रतलाम पहुंचने की भावना रखते हैं। जहां 4 श्रावकों की दीक्षा का समारोह आयोजित है। इसके बाद सभी 74 जैन साधु-साध्वियों का आगामी चातुर्मास संखेश्वर पार्श्वनाथ गुजरात में है। साधु-भगवंतों की टोली आज सुभाषपुरा में है और कल 1 अप्रैल को सतनवाड़ा पहुंचेगी, जहां से 2 अप्रैल को सुबह 5ः30 बजे पद विहार करते हुए साधु-साध्वी विष्णु मंदिर स्थित तेजमल सांखला निवास स्थान पर पहुंचेंगे जहां उनकी भव्य अगवानी और स्वागत किया जाएगा।

सांखला कोठी पर समस्त जैन समाज सहित धर्मप्रेमी इस अवसर पर सुबह 8 बजे उपस्थित होंगे। जहां से साधु-भगवंतों की भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होकर समाधि मंदिर पहुंचेगी।

यहां साधु-साध्वी दो दिन विश्राम कर 4 अप्रैल को गंतव्य की ओर प्रस्थान करेंगे।

25 मांगों को लेकर नपा के सफाई कर्मचारी हड़ताल, अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

शिवपुरी। नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। बाल्मीकि समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल किशोर कोड़े के नेतृत्व में कर्मचारियों ने प्रशासन को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा था। सात दिन में मांगें पूरी न होने पर कर्मचारियों ने हड़ताल करने का निर्णय लिया।

सफाई कर्मचारी यूनियन ने 25 प्रमुख मांगें प्रशासन के सामने रखी हैं। इनमें स्थानांतरण रद्द करना, कार्यस्थल के लिए वाहन की सुविधा, 6 घंटे से अधिक काम न लेना शामिल हैं। साथ ही सफाई दरोगाओं को पेट्रोल भत्ता, एनपीएस की कटौती राशि जमा कराना और नियमित कर्मचारियों का बढ़ा हुआ वेतन देने की मांग की गई है। यूनियन का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है। 14 फरवरी और 5 अगस्त 2024 को हुए समझौतों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कर्मचारियों से अधिक कार्य लिया जा रहा है और उन्हें सुरक्षा उपकरण तक मुहैया नहीं कराए जा रहे। वेतन भुगतान में भी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। बाल्मीकि समाज के अध्यक्ष कमल किशोर कोड़े ने नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षदों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है और उन्हें नौकरी से निकालने की धमकियां दी जा रही हैं। इसके अलावा, कर्मचारियों को आवारा मवेशी पकडऩे और अतिक्रमण हटाने जैसे गैर-संबंधित कार्यों में भी लगाया जा रहा है।

ईदगाह पर नमाज अदा कर एक दूसरे को दीं ईद की शुभकामनाएं

शिवपुरी। सोमवार को ईद-उल-फितर का त्योहार पूरे उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया गया। हवाई पट्टी रोड स्थित ईदगाह में सैकड़ों लोगों ने एक साथ नमाज अदा की। रविवार शाम 6ः30 से 7ः00 बजे के बीच ईद का चांद नजर आने के बाद त्योहार की तैयारियां शुरू हो गई थीं। शहर काजी बालुद्दीन ने नमाज अदा कराई। उन्होंने कहा कि ईद प्रेम, शांति और भाईचारे का त्योहार है। उन्होंने शहर में अमन-चैन की दुआ की और सद्भावना बनाए रखने की अपील की।

इस अवसर पर सामाजिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। हिंदू धर्मगुरु पंडित अरुण शर्मा ने ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज को बधाई दी। कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय चौहान, भाजपा मीडिया प्रभारी विकास दंडोतिया, राहुल रामजी व्यास समेत कई राजनीतिक दलों के नेता भी मौजूद रहे। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मन्नालाल कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी शुभकामनाएं दीं। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा बल तैनात किए। मुस्लिम समाज ने 30 दिन के रोजे और तरावीह की नमाज के बाद ईद का त्योहार मनाया। लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी। पूरे शहर में खुशी का माहौल रहा।

मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारकबाद देने ईदगाह पहुंचे- पूर्व नप अध्यक्ष रविंद्र शिवहरे

कोलारस। नगर के मानीपुरा स्थित ईदगाह पर पूर्व नगर परिषदअध्यक्ष रविंद्र शिवहरे ने ईद-उल-फितर (ईद) के त्यौहार पर ईदगाह पहुंचकर सभी मुस्लिम भाइयों को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। भाईचारे और अमन चैन की दुआ मांगी और कहा कि यह त्योहार रमजान के पवित्र 30 दिनों के बाद मुस्लिम भाइयों के द्वारा बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है और समस्त मुस्लिम भाइयों द्वारा नमाज अदा कर एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की दिली मुबारकबाद दी जाती है।

शिवपुरी से शुरू हुई संविधान संरक्षण यात्रा, 55 दिनों में मप्र के सभी जिलों तक जाएगी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश में संविधान की रक्षा और जन जागरूकता के लिए एक पहल शुरू की गई है। शिवपुरी के बुद्ध विहार, ठकुरपुरा से सोमवार को संविधान संरक्षण व धम्म संदेश पद यात्रा का आगाज हुआ। ये यात्रा 55 दिनों में प्रदेश के सभी 55 जिलों का दौरा करेगी।

यात्रा में सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ता, संविधान प्रेमी और बौद्ध अनुयायी शामिल हुए। पहले दिन यात्रा शिवपुरी के प्रमुख स्थलों से होते हुए गुना की ओर बढ़ी। मार्ग में अंबेडकर मंगल भवन, बड़ा चौराहा, गुरुद्वारा चौक और झांसी तिराहा प्रमुख पड़ाव रहे।

यात्रा का आयोजन मिक्खू संघ, भारतीय बौद्ध महासभा, भीम आर्मी समेत कई प्रमुख सामाजिक संगठनों ने मिलकर किया है। इसका मुख्य उद्देश्य संविधान पर हो रहे हमलों के खिलाफ जागरूकता फैलाना और लोगों को उनके मौलिक अधिकारों से अवगत कराना है। यात्रा गुना, राजगढ़, आगर मालवा, मंदसौर, नीमच, उज्जैन, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, रीवा और ग्वालियर समेत सभी प्रमुख जिलों से होकर गुजरेगी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर आमसभाएं और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यात्रा 24 मई 2025 को शिवपुरी में खत्म होगी।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया का जनसुनवाई शिविर, बोले- आपकी समस्याओं का मैं संकट मोचन

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान

शिवपुरी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र के 4 दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के दौरान आज अंतिम दिन गुना के बमौरी में आयोजित जनसुनवाई शिविर में पहुंचे। इससे पहले उन्होंने सभी को गुड़ी पड़वा, नववर्ष नवसंवत्सर व ईद की शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय मंत्री ने आज जनसुनवाई शिविर में आमजन की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मेरी जनता मेरा भगवान है, उनकी सेवा करना मेरा धर्म है।

इस अवसर पर सिंधिया ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाये गए स्टॉल का अवलोकन कर उनसे संवाद कर उनके उत्पादों की काफ़ी सराहना की और उनके प्रयासों को प्रोत्साहित किया। आज के इस शिविर में सभी आवेदनों का जनपद कार्यालय बमौरी में ही पंजीकरण कर लिया गया।

जनसुनवाई शिविर में सिंधिया ने कहा कि सरकार मतलब सेवा! जनता को सरकार के चक्कर नहीं खाने सरकार को तत्पर होकर सेवा करनी है।

उन्होंने कहा कि आपके संकट का संकट मोचन बनकर हम सब आपका समाधान निकालेंगे।

आवेदनों को बैग में डालकर कलेक्टर को सौंपा

केंद्रीय मंत्री ने आवेदनों के पंजीकरण के बाद सभी आवेदनों को बैग में डालकर अपने हाथों से कलेक्टर को सौंप दिए। उन्होंने कहा कि जैसे ही आपका कार्य हो जाएगा, मेरी चिट्ठी आएगी जिसके साथ कार्य का ऑर्डर अटैच होगा। सिंधिया ने बताया कि एक एक आवेदन की समीक्षा में खुद करता हूँ।

विधानसभाओं में लगा चुके शिविर

विदित रहे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र का आए दिन भ्रमण कर जनसुनवाई शिविरों के ज़रिए आम जन की समस्याओं का निराकरण करते हैं। इसी पहल के तहत वह इस साल जनवरी से लेकर मार्च के बीच उन्होंने अपने क्षेत्र की सभी 8 विधानसभाओं में जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि अब तक 8 विधानसभा पूरी हो चुकी हैं और प्रत्येक विधानसभा से 800-1200 आवेदन आए है तथा सभी का डिजिटलीकरण किया गया। सिंधिया ने अपने संबोधन में कहा कि तीनों जिले अपने-अपने डेटा को संकलित कर रहे हैं। उनके अनुसार अब तक 6010 आवेदन आए हैं। इनमें से 1996 आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं, 1870 ऑर्डर अपलोड किए गए हैं, 116 ऑर्डर अपलोड होने बाकी हैं, 1700 चिट्ठियाँ ऑर्डर के साथ भेजी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आगे के ऑर्डर भी जल्द जारी किए जाएंगे। आज बमौरी में जनसुनवाई शिविर में 700 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 150 आवेदन सिंधिया ने व्यक्तिगत रूप से संबोधित किए और 118 आवेदनों का तत्काल समाधान किया गया। मंत्री सिंधिया ने बताया की पहले चरण के हर संभव आवेदन पर एक्शन लेने के बाद हम प्रशासन के साथ मिलकर शिविर का दूसरा चरण भी शुरू करेंगे।

बोलेरो ने मारी बाइक को टक्कर, दम्पत्ति सहित तीन घायल, ड्रायवर भागा

घटना सीसीटीवी में हुई कैद

शिवपुरी। सोनीपुर गांव के पास सोमवार को एक तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह पूरी घटना पास के एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

हादसे में छर्च थाना क्षेत्र के शरावनी गांव निवासी मनोज जाटव, उनकी पत्नी छोटी जाटव और भाभी ममता जाटव घायल हो गए। तीनों पोहरी से इलाज कराकर अपने घर लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार तीनों की हालत स्थिर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस को घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे से फुटेज मिले हैं, जिनकी मदद से फरार बोलेरो चालक की पहचान की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पारागढ़ तालाब में मरी मिलीं मछलियां, मवेशियों के लिए खतरा

शिवपुरी। कोलारस तहसील में बेरसिया पंचायत स्थित पारागढ़ तालाब में कई मछलियां मर गईं। सोमवार सुबह तालाब के किनारे कई मछलियां बिखरी हुई पड़ी मिलीं। तालाब से अचानक इस तरह मरी मछलियों के मिलने से लोगों में डर है।

मायाराम गुर्जर का कहना है कि इसी तालाब से गांव के सभी मवेशी पानी पीने के लिए पहुंचते हैं। बताया गया कि तालाब में किसी अज्ञात व्यक्ति ने जहरीली दवा मिला दी थी, इस वजह से सैकड़ों मछलियां मर गई हैं। ग्रामीणों ने इस घटना के बाद प्रशासन से जांच की मांग करते हुए दोषी पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

टोल प्लाजा पर बेकाबू डंपर डिवाइडर पर चढ़ा

शिवपुरी। पूरनखेड़ी टोल प्लाजा पर सोमवार सुबह एक डंपर अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। हादसे के समय गाड़ी बामौर क्रेशर से डस्ट लेकर शिवपुरी जा रही थी। इस दौरान डंपर सीधा टोल बूथ के डिवाइडर पर चढ़ गया और खंभे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर का टायर टूटकर अलग हो गया। इसी वजह से गाड़ी वहीं रुक गई। इस घटना में कोई टोलकर्मी हादसे का शिकार नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि डंपर तेज गति से आ रहा था। उन्होंने कहा कि अगर टायर नहीं टूटता तो वो टोल बूथ से टकरा सकता था। इससे वहां मौजूद कर्मचारियों की जान को खतरा हो सकता था।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

रीवा 31 मार्च 2025. शासन के निर्देशानुसार 30 जून तक जल गंगा संधर्वन अभियान का संचालन जिले में किया जा रहा है। जल संरक्षण के कार्यों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व आमजनों ने भाग लेकर श्रमदान किया। साथ ही नवीन जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण शुरूआत हुई तथा पूर्व से निर्मित नहरों व वितरिकाओं की साफ-सफाई की गयी।

जिले में स्कूल चलें हम अभियान आज से

हर विद्यार्थी का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करायें - कलेक्टर

रीवा 31 मार्च 2025. प्रदेश के साथ-साथ में जिले में भी नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2025-26 की शुरूआत एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान के रूप में की जायेगी। अभियान के दौरान एक से चार अप्रैल तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। अभियान के दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। उन्होंने कहा है कि हर विद्यार्थी का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करायें।

जिला-शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम चयनित शाला में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा-1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गयी है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम

स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन शालाओं में ÷भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियाँ सुनायेंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएँ भेंट कर सकेंगे। जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिये गये हैं।

सांस्कृतिक एवं खेल-कूद गतिविधियाँ

÷स्कूल चलें हम अभियान÷ के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जुड़ाव करना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी।

शासन के निर्देशानुसार स्कूल चले हम अभियान का आयोजन सुनिश्चित करायें - जिला शिक्षा अधिकारी

रीवा 31 मार्च 2025. जिले में एक अप्रैल से नवीन शिक्षा सत्र आरंभ हो रहा है। इसके लिए सभी स्कूलों में तैयारियाँ की जा रही हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने रीवा और मऊगंज जिले के सभी संकुल प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को स्कूल चले हम अभियान के तहत एक अप्रैल को स्कूल में प्रवेशोत्सव के निर्देश दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि एक अप्रैल को धूमधाम के साथ विद्यार्थियों का शाला में प्रवेश कराएं। यदि कोई विद्यार्थी शाला से टीसी लेकर जा रहा है तो उसकी सूची बनाकर प्रस्तुत करें।

साथ ही इस बात की भी पूरी जानकारी रखें कि उसने किस स्कूल में प्रवेश लिया है। शाला से किसी भी कारण से बाहर जाने वाले बच्चे का अन्य शाला में प्रवेश अनिवार्य रूप से कराएं। शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू होने से पूर्व नए शिक्षण सत्र के लिए विद्यार्थियों को अस्थाई प्रवेश तत्काल दें।

इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि कोई भी विद्यार्थी शाला त्यागी अथवा अप्रवेशी न रहे।

कक्षा पाँचवी, छठवीं, आठवीं और नवीं उत्तीर्ण करके यदि कोई विद्यार्थी आसपास के स्कूल में प्रवेश लेता है तो उसकी भी सूची बनाकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

उन्होंने स्कूल चले हम अभियान के तहत 4 अप्रैल तक विद्यालयों में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के संचालन के निर्देश प्राचार्यों व प्रधानाध्यापकों को दिये हैं।

विधानसभा अध्यक्ष और सांसद ने रोटरी कैम्प का अवलोकन किया

मुरैना 31 मार्च, 2025/ स्वर्गीय श्रीमती मोहन प्यारी माहेश्वरी की स्मृति में 2 अप्रैल तक मुरैना मुख्यालय पर रोटरी का वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में हजारों व्यक्ति पंजीयन कराकर स्वास्थ्य लाभ भी ले रहे हैं।

कैंप के छठवें दिन विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, मुरैना श्योपुर के सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने सोमवार को पहुंचकर चल रहे कैंप का अवलोकन किया और चिकित्सकों से चर्चा भी की। जो चिकित्सक बाहर से मुरैना आए हैं, उन्होंने अच्छी सेवाएं दी है, उन्होंने उनको धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर रोटरी के पदाधिकारी, समाजसेवी डॉ. योगेशपाल गुप्ता, कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना सहित अन्य अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित थे।

कृषि मंत्री श्री कंसाना ने 25 गांव के लिए सौर लाइट का शुभारंभ किया

कार्यक्रम का शुभारंभ बाबादेवपुरी परिसर से हुआ

मुरैना 31 मार्च 2025/ किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंसाना ने कहा कि मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायत में सड़कों और महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की प्लानिंग की गयी है , जिसमें प्रथम फैंस में 25 पंचायतों को शामिल किया गया है। जिसका शुभारंभ आज बाबा देवपुरी मंदिर परिसर से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे गाँव की सड़कों और महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त रोशनी की कमी हमारे निवासियों के लिए विभिन्न सुरक्षा चिंताओ का कारण बनी रहती है, खासकर रात के समय अंधेरे के कारण दुर्घटनाएं, चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियां अधिक प्रचलित हो गई हैं। इसके अलावा, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की अनुपस्थिति हमारे समुदाय के समग्र विकास और प्रगति में बाधा डालती है।

इस लिए सौलर स्ट्रीट लाइट्स और हाई मास्ट सौलर लाइट्स की स्थापना हमारे प्रकाश व्यवस्था की आवस्यकताओं के लिए एक स्थायी और लागत प्रभावी समाधान प्रदान करेगी। ये लाइट्स न केवल हमारे निवासियों की सुरक्षा बढ़ाएंगी बल्कि हमारे गाँव में जीवन की गुणवत्ता भी सुधारेंगी।हम सौलर लाइट्स की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करके परियोजना का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा की प्रथम फीस में भानपुर, जतावार, मसूदपुर, रिठौरा, पिपरई, गडोरा, पीपरखेड़ा, पचोखरा, नायकपुरा, हेतमपुर, पीपलखेड़ा, मैथाना, हुसैनपुर, जाखोना, पढावली, तिछोला, विडवा कुंवारी, मृग पुरा, देवरी, हड़वासी, बांध, सिकरौदा, गौसपुर, सांटा, हिंगोना कला, पालपुर और कैथरी में सोलर लाइट लगाई जायेगी । इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बानमौर तालाव की सफाई की

मुरैना 31 मार्च, 2025/जल संसाधन विभाग मुरैना द्वारा सोमवार को बानमौर तालाब पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में जल संसाधन संभाग के कार्यपालन यंत्री श्री पीएस जाटव, पार्षद श्रीमती गीता लक्ष्मण सिंह, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका बानमोर श्री भगवान सिंह, गणमान्य नागरिकों तथा विभागीय कर्मचारियों ने उपस्थित होकर श्रमदान किया।कार्यक्रम में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन श्री पी.एस. जाटव द्वारा नागरिकों को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल की महत्वता एवं जल स्त्रोतों/संसाधनों के रखरखाव तथा इनके संरक्षण पर जोर देते हुये इस धरोहर को बचाने हेतु जागरूक किया गया।

रोटरी कैंप में सोमवार को 10325 लोगों के हुए पंजीयन

मुरैना 31 मार्च2025/ जिला मुख्यालय पर रोटरी कैंप का आयोजन किया जा रहा है, यह कैंप 2 अप्रैल तक संचालित रहेगा। रोटरी के पदाधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई है कि सोमवार 31 मार्च को रोटरी कैंप में 10325 लोगों के पंजीयन किए गए थे, जिनमें 450 की एक्स-रे, 384 के यूएसजी, 1015 के लैब टेस्ट और 6010 लोगों के विभिन्न प्रकार के टेस्ट किए गये।

इसके अलावा 9 लोगों की की सर्जरी , 4 लोगों की गायनिक, 3 लोगों की प्लास्टिक सर्जरी, 4 के ईएनटी, 4 की आर्थो और 3 की आई आपरेशन किए गये।

मेगा हैल्थ कैंप में भोपाल से आए चिकित्सको को किया सम्मानित

मुरैना 31 मार्च, 2025/रोटरी मेगा हेल्थ कैंप में भोपाल से आए डॉ. रोहित कुमार तिवारी, डॉ. अंजलि बसोड़, डॉक्टर आनंद सैनी को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला खनिज अधिकारी श्री एसके निर्मल, रोटरी के पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

श्योपुर और शिवपुरी से रोगियों को लेकर बसें मेगा हैल्थ कैंप में पहुंचीं

सभी को उपचार एवं भोजन की व्यवस्था कराई

मुरैना 31 मार्च, 2025/मुरैना जिला मुख्यालय पर 2 अप्रैल तक रोटरी मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैम्प में श्योपुर और शिवपुरी जिले से रोगियों को लेकर बसें पहुंचीं। इस दौरान सभी को उपचार एवं भोजन की व्यवस्था कैंप स्थल पर की गई।

रोटरी कैम्प में स्वच्छता मित्र सफ़ाई व्यवस्था कर रहे संचालित

मुरैना 31 मार्च, 2025/कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के निर्देशन में नगर निगम के स्वच्छता मित्र मेगा कैंप स्थल पर चाक चौबंद सफ़ाई व्यवस्था संचालित कर रहे हैं।

नेशनल लोक अदालत 10 मई को आयोजित होगी

दतिया 31 मार्च 2025/ सचिव/न्यायाधीश जिला विविध सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय दतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले में आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 10 मई 2025 को आयोजित की जाएगी। जिसमें अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण आपसी समझोते से निराकरण किए जाएंगे।

विश्व जल दिवस पर जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित हुआ जल संवाद कार्यक्रम

जल संरक्षण के संबंध में ग्रामीणों से किया गया संवाद, नाले में बोरीबंधान कार्य किया गया

रीवा 31 मार्च 2025.विश्व जल दिवस पर जन अभियान परिषद से संबद्ध संस्थाओं द्वारा ज़िलें के विभिन्न ग्रामों में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम छिजवार व दादर में सम्भागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने संवाद कार्यक्रम में जल की महत्ता व जल संरक्षण के विषय में ग्रामीण जनों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए हमे आज जल बचाना होगा। हमे पानी बचाने के परंपरागत व आधुनिक दोनों तरीको का उपयोग करते हुए समाज को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। ऐसे व्यक्ति जो प्रकृति संरक्षण की दिशा में कार्य कर रहे है। उन्हें सम्मानित करना होगा। जल गंगा अभियान के तहत त्योंथर विकासखण्ड के सेंगरवार व सतपुरा में बघेड़ी नाले में तथा मऊगंज जिले के निहाई नदी में भी बोरीबंधान का कार्य किया गया। बोरीबंधान किया गया। कार्यक्रम को विकासखंड समन्वयक अमित अवस्थी व नवांकुर संस्था सर्वोदय विंध्य विकास समिति के सचिव बृजेश सिंह व दीपा शिशु शिक्षा समिति के अध्यक्ष दयानंद तिवारी, जन कल्याण देशभक्ति सेवा मंडल के अध्यक्ष मुनेंद्र सिंह व सचिव विशाल सिंह, बृजभूषण तिवारी, अरुण पांडे ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण व समाजसेवी उपस्थित रहे।

ईरिक्शा वाहनों पर लगेगी नम्बर प्लेट

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

विजयपुर । पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा जिले भर में विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी कड़ी में विजयपुर कस्बे में एसडीओपी श्री राघवेंद्र सिंह तोमर के मार्गदर्शन में प्रभारी यातायात अनुभाग विजयपुर भागवत प्रसाद पांडेय द्वारा स्टाफ के साथ बिना नंबर ई-रिक्शा वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाने की हिदायत दी गई साथ ही जब तक नंबर प्लेट नहीं उपलब्ध होती तब तक अस्थाई नंबर अंकित करवाए जा रहे हैं । जल्द ही सभी ई रिक्शा पर शॉर्ट नंबरिंग भी करवाई जाएगी जिससे इनकी पहचान आसानी से की जा सकेगी ।

वर्ष 2025 में आयोजित होने वाली नेषनल लोक अदालत का कलेण्डर जारी

दतिया 31 मार्च 2025/ सचिव/न्यायाधीश जिला विविध सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय दतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा जारी आदेशानुसार जिले में वर्ष 2025 के कलेण्डर वर्ष में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का कलेण्डर जारी किया गया है।

उन्होंने बताया है कि वर्ष 2025 कलेण्डर अनुसार अब नेशनल लोक अदालत का आगामी दिनों में आयोजित होने वाले आयोजन 10 मई 2025 एवं 13 सितम्बर 2025 तथा 13 दिसम्बर 2025 को किया जाना प्रस्तावित है।

नगरा पुलिस ने 48 घंटे में किया चोरी का खुलासा

चोर को गिरफ्तार कर 88000 का माल बरामद

मुरैना पुलिस अधीक्षक मुरैना, श्री समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में घटित चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, अज्ञात आरोपियों की पतारसी एवं गिरफ्तारी एवं चोरी गए माल-मशरूका की बरामदगी हेतु सम्पूर्ण जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना श्री सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी अंबाह श्री रवि सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना नगरा पुलिस व्दारा चोरी के प्रकरण में फरार चल रहे अज्ञात आरोपी को घटना के 48 घण्टे के भीतर भिण्ड रोड़ पोरसा से गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया

माल-मशरूका 03 सोने की अंगूठी, 01 बृजवाला, 01 सोने की चैन मय पेंडेंट, 01 मंगलसूत्र एवं 02 मोबाईल फोन कुल मशरूका कीमत करीबन 88,000/- रूपये का बरामद किया गया एवं गिरफ्तारशुदा आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष में पेश किया गया।

युवक ने घर में फांसी लगाकर जान दी

मुरैना 31 मार्च। अम्बाह थाना क्षेत्र में एक युवक ने अज्ञात कारणो के चलते अपने घर पर फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम पूठा बडफरा में निवास करने वाले परिमाल पुत्र शिवचरन माहौर ने गत दिवस अपने घर के कमरे में अज्ञात कारणो के चलते फांसी का फन्दा लगाकर झूल गया जिससे उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही शव का मौका पंचनामा बनाकर शव का पोस्ट मार्डम कराकर उसे उसके परिजनो को सौपकर फरियादी वृजकिशोर माहौर की रिपोर्ट पर से मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है।

महिला की मौत पर मर्ग कायम

मुरैना 31 मार्च। अम्बाह थाना क्षेत्र के ग्राम गुर्जा मौजा रूअर में निवास करने वाली महिला भूरी पत्नी मुकेश सखवार उम्र 22 साल ने कुछ समय पहले तेजाब का सेवन कर लिया था जिससे उसकी हालत खराब होने पर उसे उपचार के लिए जयारोग्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था जहॉ से उसकी छुट्टी के बाद घर आकर उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस ने फरियादी विजय सिंह पुत्र खुशीराम सखवार की रिपोर्ट पर से मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

मारपीट कर जातिय अपमान किया

मुरैना 31 मार्च। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र में एक दलित परिवार की मारपीट कर जातिय अपमान करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम भेरा खेडा में निवास करने वाले नेकराम जाटव पुत्र शिब्बूराम अपने धर के बाहर बैठा था कि उसी समय पुरानी रंजिश के चलते गॉव के गोटे, रामकेश, रामदीन समस्त जाति रावत ने फरियादी व उसके भाई भतीजो को जाति सूचक गालिया देने की मना करने आरोपियो ने एक राय होकर लाठी,डण्डो से फरियादी नेकराम, उसके भाई व भतीजो को घायल कर दिया। थाना पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर से मामला दर्ज कर घायलो को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खुले गड्ढे में डूबने से बालक की दर्दनाक मौत

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। ढोढर जिला श्योपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सेमल्दा में रविवार को शाम 5 बजे सबलगढ़ निवासी अमितकुमार गोयल के 6 साल के पुत्र अभि गोयल की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई।फरियादी बल्लू उर्फ संतोष पुत्र मोहनलाल गर्ग उम्र 41 साल ने थाना ढोढर आकर रिपोर्ट की कि उसका भांजा अभि पुत्र अमितकुमार गोयल दिनांक 30 मार्च की शाम घर के बाहर खेल रहा था।जब वह बहुत देर तक वापस नहीं आया तब उसकी तलाश करते हुए पानी से भरे गड्ढे की तरफ गए तो गड्ढे में बालक का हाथ निकलता दिखाई दिया।तुरंत बालक को निकालकर श्योपुर जिलाअस्पताल ले जाया गया।वहाँ डॉक्टरों ने बालक को मृत घोषित कर दिया।पोस्टमार्टम के बाद बालक का शव सबलगढ़ लाया गया यहाँ उसका अंतिम संस्कार किया गया।

अकीदत के साथ अदा की नमाज, मांगी अमन चैन की दुआ

मुरैना। सोमवार को ईद की नमाज ईदगाह सहित शहर की मस्जिदों में अदा की गई। इस मौके पर काफी संख्या में लोग नमाज अदा करने पहुंचे। नमाज के समय मस्जिदों में अल्लाह की बारगाह में सैकड़ों सिर सजदे में झुके। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये थे ।

मुकद्दस रमजान का महीना समाप्त होने के बाद विगत शाम को ईद के चांद का दीदार कर मुस्लिमों के चेहरे खिल उठे और बाजारों की तरफ रूखकर खरीददारी में जुट गये। वहीं सोमवार सुबह 09 बजे ईदगाह में मुफ्ती साहब कयादत में प्रात: 09 बजे ईद की नमाज अदा की गयी। नमाज के बाद देश में खुशहाली व अमनो-अमान की दुआ के लिए अल्लाह की बारगाह में हजारों मुस्लिमों के हांथ उठे। ईद की नमाज के दौरान ईदगाह के बाहर पुलिस के आला अधिकारियों ने ईद की शुभकामनाएं पेश करते हुए कहा कि आपसी भाई-चारे के साथ सौहार्द-पूर्वक सभी लोग पर्व को मनाएं। इस दौरान जिला प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के इंतजाम कर जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया था।

लोगों ने जमकर खरीदारी की खेल खिलौने की दुकानों से लेकर पकोड़ा समोसे चार्ट आदि सामग्री की दुकानों पर ईद की नमाज पढ़कर लोगों ने जमकर खरीदारी की एक दूसरे से गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दी घरों पर भी पहुंच कर मीठे पकवान और लजीज बिरियानी का मेहमानों ने लुफ्त उठाया तथा छोटे-छोटे बच्चों ने बड़ों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

बड़े लोगों से तथा अपने रिश्तेदारों से ईदी का नजराना लिया और मुल्क में अमन चैन शांति की हाथ उठाकर विभिन्न मस्जिदों के इमाम ने हाथ उठाकर दुआ मांगी

ईद के पावन पर्व पर शहर के गणमान्य जनप्रतिनिधि महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंसाना, पूर्व विधायक प्रतिनिधि रविंद्र सिंह मावई ,नगर पालिका उपाध्यक्ष रिंकू मावई ,कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा सहित कई नेता मस्जिद पहुंचकर मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारकबाद एवं शुभकामनाएं देकर गले लगा कर बधाई दी।

वन विभाग की अतिक्रमण हटाओ मुहिम जारी

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

बीरपुर। वन विभाग के अधिकारियों के निर्देश अनुसार जंगल में चलाई जा रही है अतिक्रमण हटाओ मुहिम।

वीरपुर तहसील के अंतर्गत आने वाली मोरेखा बन कच्छ क्रमांक आर एफ 588 में वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश अनुसार ग्रामीणों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही के दौरान अतिक्रमणकारियों द्वारा महिला एवं पुरुष संगठित होकर अतिक्रमण बेदखली कार्रवाई में बाधा डालने का प्रयास किया गया लेकिन वन स्टाफ के द्वारा अतिक्रमणकारियों को वैधानिक कार्रवाई की समझाइए देकर जे सी बी मशीन की सहायता से अतिक्रमण विरोधी खंती लगभग रकबा 4000 हेक्टेयर में खुदाई जाकर वन परिक्षेत्र अधिकारी खाड़ी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और बेहतर बनाया जाएगा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर सैद्धांतिक सहमति

मंत्रि-परिषद से अनुमोदन उपरांत अमल में लाया जायेगा

दतिया 31 मार्च 2025/ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के ग्रामीण, शहरी और इंटरसिटी परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारंभ की जाएगी। योजना का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। सबके साथ विस्तृत विचार-विमर्श, सुझाव एवं सहमति के बाद शीघ्र ही इस योजना प्रस्ताव को अनुमोदन के लिये मंत्रि-परिषद की बैठक में लाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में नवीन परिवहन सेवा (मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा) के संबंध में प्रारंभिक चर्चा के लिए आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर प्रदेश के सभी जनजातीय क्षेत्रों में सुगम यात्री परिवहन के लिए सरकार हर जरूरी प्रयास करेगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, नगरीय विकास एवं प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने बैठक में वर्चुअली सहभागिता की। समत्व में हुई बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं प्रशासन श्री संजय कुमार शुक्ल, सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह, सचिव मुख्यमंत्री श्री सिबी चक्रवर्ती एवं संचालक जनसम्पर्क श्री अंशुल गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की यात्री परिवहन संबंधी भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इस नवीन योजना के सभी पक्षों पर गहनता से अध्ययन करें, जिससे यात्रियों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।

सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह ने नवीन परिवहन सेवा योजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई परिवहन योजना में प्रदेश में यात्री बसों के संचालन की त्रि-स्तरीय मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके लिए प्रदेश मुख्यालय स्तर पर एक राज्यस्तरीय होल्डिंग कंपनी गठित की जाएगी।

प्रदेश के सात बड़े संभागों (भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर एवं रीवा) में 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियां भी गठित की जाएगी। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में जिला स्तरीय यात्री परिवहन समिति गठित भी की जायेंगी।

यह सभी बॉडीज यात्री परिवहन को बेहतर बनाने, यात्री किराया तय करने, रूट चार्ट तैयार करने में समन्वय और यात्रियों को योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए अनुश्रवण एवं मार्गदर्शन करेगी।

बताया गया कि सात क्षेत्रीय सहायक कंपनियों की आय अर्जन के स्रोत निर्माण के लिए भी इस योजना में विशेष इंतजाम किए जाएंगे। नवीन योजना में सरकार अनुबंधित बसों को प्राथमिकता से परमिट देगी। इन बसों पर प्रभावी नियंत्रण सरकार का ही होगा।

नवीन योजना में यात्रियों एवं बस ऑपरेटर्स के लिए ऐप और कंपनी की मॉनिटरिंग के लिए एक डैशबोर्ड भी होगा नवीन परिवहन सेवा के संचालन के लिए प्रदेश के सात बड़े संभागों में यात्री बसों की आवश्यकता और जरूरी संख्या के लिए सर्वे कराये जा रहे हैं।

सर्वे के परिणाम जल्द ही प्राप्त हो जायेंगे। सर्वे के फीडबैक के आधार पर सरकार इस योजना के क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ेगी।

बताया गया की नवीन परिवहन योजना का सबसे अधिक लाभ यात्रियों को होगा।

बस ऑपरेटर्स को भी बेहतर माहौल और उन्हें कन्टीन्यू बिजनेस देने का प्रावधान भी इस नवीन परिवहन सेवा योजना में की गई है, जिससे आपरेटर्स की बस सेवाएं बाधित न हो और यात्रियों को भी कोई परेशानी न हो।

लोकमाता अहिल्या बाई के जनकल्याण और सुशासन के कार्य प्रेरणादायक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

'राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा' नाटक का मंचन

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई ने 300 वर्ष पहले जनकल्याण के जो काम किये और सभी संकटों को पार कर सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए हैं, वे आज हम सब के लिए प्रेरणादायक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को लोकमाता देवी अहिल्या की नगरी खरगोन जिले के महेश्वर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा 'राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्याबाई की पुण्य गाथा' नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुषी जैन द्वारा देवी अहिल्या बाई की जीवनगाथा पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या बाई ने होल्कर साम्राज्य के साथ ही सम्पूर्ण देश में जन-कल्याण के कार्य किए हैं।

मुगल काल में सनातन संस्कृति को नष्ट करने का काम किया गया, लेकिन नर्मदा पुत्री देवी अहिल्याबाई ने सनातन संस्कृति की रक्षा का काम किया। उन्होंने सोमनाथ, काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिरों की पुनर्स्थापना को बनाने का कार्य किया है। देवी अहिल्या ने देश भर में नदी घाटों का निर्माण कराया, गरीबों की दिल खोलकर मदद की, रोजगार के लिए महेश्वरी साड़ियों का निर्माण कराया, व्यापार को प्रोत्साहन दिया, किसानों की मदद की और न्याय एवं सुशासन के अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इतिहास माता अहिल्या के विविध प्रसंगों से भरा हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता अहिल्या बाई के कार्यों से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने पहला दशहरा महेश्वर में मनाया और केबिनेट की बैठक भी महेश्वर में आयोजित की है। प्रदेश की सशस्त्र वाहिनी क्रमांक 01 को अहिल्या माता का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महेश्वर में देवी अहिल्या की जीवनगाथा पर नाटक मंचन के लिए विश्व मांगल्य सभा की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिथियों के साथ सम्पूर्ण नाटक का मंचन देखा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 जन्म जयंती के अवसर पर महेश्वर में नाटक का मंचन किया जा रहा है। यह नाटक अहिल्याबाई के कार्यों से आमजन को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देगा। देवी अहिल्या ने मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया है। हमारे देश में देवी अहिल्या, रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, रानी चैनम्मा जैसी नारी शक्ति ने शासक के रूप में इस धरती का संचालन किया है। यह हमारे लिए गर्व और प्रेरणा का आदर्श है।

इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, मध्यप्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, होल्कर स्टेट के युवराज श्री यशवंत राव होल्कर, विश्व मांगल्य सभा की अध्यक्ष श्रीमती रेखा खंडेलवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. वृषाली जोशी, विश्व मांगल्य सभा मध्यप्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती सूरज डामोर, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक श्री राजकुमार मेव, श्री बालकृष्ण पाटीदार, श्री सचिन बिरला सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बाबा देवपुरी का मंदिर आस्था व श्रद्धा का केन्द : मंत्री कंषाना

-कृषि मंत्री ने मंदिर पर सोलर लाइट संयत्र का किया उद्घाटन

मुरैना,कासं.। चंबल के बीहड़ों में स्थित प्राचीन बाबा देवपुरी का मंदिर आस्था एवं श्रद्धा का केन्द्र है। आस्था के इस केन्द्र से अंचल सहित पड़ौसी प्रांत के लोगों की धार्मिक भावनाएं जुड़ी हुई है। दुर्गम बीहड़ों में बने प्राचीन मंदिर तक श्रद्धालुओं के आवागमन को सुलभ और सुगम बनाने के लिए विकास कार्य जारी है। यह बातें मप्र शासन के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना ने कहीं। श्री कंषाना, सोमवार को बाबा देवपुरी मंदिर पर कोटिवा एग्री साइंस पॉयनियर सीड्स प्रालि द्वारा स्थापित किए जा रहे सोलर लाईट प्लांट के उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। सोलर लाईट संयत्र का उद्घाटन करने से पहले श्री कंषाना ने बाबा देवपुरी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर आर्शीवाद ग्रहण किया। इससे पहले मंत्री श्री कंषाना ने मुरैना शहर में महाराजपुरा रोड पर स्थित अशासकीय द् फ्यूचर बेव स्कूल का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर उनके साथ बालकृष्ण सांटा, बृजकिशोर डंडौतिया, कप्तान सिंह कंषाना बंकू, जौरा जपं अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह सिकरवार, किशोर शर्मा, वृंदावन पाराशर, दिलीप डण्डौतिया, हुब्बलाल सरपंच, रामनरेश सरपंच, हरेन्द्र सरपंच, मनोज सरपंच, दिलीप सरपंच नायकपुरा, द्वारिका कंषाना, बाबा देवपुरी जनसेवा संस्थान के सचिव राजवीर सिंह, देवेन्द्र सिंह गड़ौरा, दाताराम सिंह, गब्बर सिंह, जबर सिंह, सुरेन्द्र, निरंजन सिंह, राजवीर, त्रिलोकी, राज कंषाना, महेश पहलवान, जीतू तोरखेड़ा, हरीराम, लोकेन्द्र पाराशर, अनूप अग्रवाल, रजत मोदी, जीतेन्द्र मैथाना, राजू भानपुर, आकाश रजक, रामलखन जींगनी, वासुदेव मसूदपुर आदि उपस्थित थे।

गुर्जर समाज द्वारा सर्व समाज का होली मिलन समारोह हुआ संपन्न

मुरैना,कासं.। होली मिलन समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री ऐदल सिंह कंसाना व विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंसाना, पूर्व विधायक श्री राकेश मावई, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हमीर सिंह पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता हरसाना , प्रदेश अध्यक्ष गुर्जर विकास संगठन श्री वीरेंद्र हरसाना, इन सभी के द्वारा देवनारायण भगवान की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की उसके तत्पश्चात स्वागत भाषण श्री तहसीलदार सिंह बैसला एवं कार्यक्रम की रूपरेखा श्री देवेंद्र सिंह गुर्जर के द्वारा रखी गई व संचालन श्री गजेंद्र सिंह मावई ने किया व कार्यक्रम का आभार व्यक्त श्री जितेंद्र घुरैया ने किया होली मिलन समारोह कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों ने इस कार्यक्रम की सराहना और कहां के ऐसा कार्यक्रम प्रतिवर्ष होना चाहिए यह कार्यक्रम आगामी पीढ़ी के लिए एक अच्छा संदेश होगा इस होली मिलन समारोह कार्यक्रम में श्री हरि सिंह सिकरवार पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन के द्वारा कार्यक्रम को बहुत सुंदर व्याख्या देते हुए आयोजन समिति को 11000 रुपए से सम्मानित किया कार्यक्रम में उपस्थित रहे श्री रक्षपाल सिंह तोमर, श्री नवल सिंह शिवहरे, श्री अशोक यादव , श्री नरेंद्र सिंह सिकरवार ,श्री बल्लो दंडोतिया श्री बालकृष्ण शर्मा, श्री भूप सिंह रजक, श्री अमृतलाल यादव, सहित गुर्जर समाज एवं सर्व समाज के सैकड़ो लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने आचार्य बालकृष्ण से सिकल सेल के संबंध में की चर्चा

भोपाल,ब्यूरो। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने आयुर्वेद में सिकल सेल उपचार अनुसंधान प्रयासों में पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट से सहयोग की अपेक्षा की है। राज्यपाल श्री पटेल द्वारा पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट के संस्थापक सचिव आचार्य बालकृष्ण से महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के दीक्षांत समारोह में चर्चा के दौरान इस विषय पर विचार विमर्श किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने आचार्य बालकृष्ण को राष्ट्रीय सिकल सेल मिशन के तहत किए जा रहे उपचार और पुनर्वास प्रयासों के बारे में भी बताया।

चलो पढ़ें - आगे बढ़ें

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

'स्कूल चलें हम' अभियान
राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव
कार्यक्रम–2025

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

01 अप्रैल, 2025 | प्रात: 9:30 बजे
शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैंपियन), भोपाल

सबकी पहुंच में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य

- नवीन तकनीक आधारित एजुकेशन पोर्टल 3.0 का लोकार्पण, इस पोर्टल के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया का सरलीकरण, अब तक 6 लाख 10 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया
- छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण
- नवीन शिक्षा सत्र में 1 अप्रैल से पूर्व 10वीं एवं 12वीं कक्षाओं को छोड़कर समस्त कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित
- कक्षा-1 से 8वीं तक सभी शालाओं में बालसभा का आयोजन
- शालाओं में 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम का संचालन
- विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार एवं शासकीय अधिकारी बच्चों को सुनायेंगे पढ़ाई के महत्व की एवं प्रेरणादायी कहानियां
- शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियों का आयोजन
- पालकों को शैक्षणिक स्टाफ द्वारा दी जाएगी स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी
- पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85% से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों का होगा सम्मान

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी | D-11219/24 | सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954